सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 340 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 23 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

केन्द्रीय कर्मचारियों को जल्द मिलेगी खुशखबरी, महंगाई भत्ता बढ़ाएगी सरकार

नईदिल्ली। केंद्र सरकार जल्द ही अपने कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ता बढ़ाने की घोषणा कर सकती है। रिपोर्टों के मुताबिक, यह घोषणा सितंबर के अंतिम सप्ताह या अक्टूबर के पहले सप्ताह में हो सकती है। पिछली बार सरकार ने 1 जुलाई 2024 से डीए में 3-4 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद जताई थी। मार्च 2024 में सरकार ने डीए को 4 प्रतिशत बढ़ाकर मूल वेतन का 50 प्रतिशत कर दिया था। इसी तरह महंगाई राहत भी 4 प्रतिशत बढ़ाई गई थी, जो पेंशनरों को मिलती है। संसद के मानसून सत्र के दौरान वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने स्पष्ट किया कि सरकार कोविड-19 महामारी के दौरान रोके गए 18 महीने के डीए और डीआर बकाया को जारी करने की संभावना कम मानती है। उन्होंने कहा कि फ्लिहाल सरकार का ऐसा कोई इरादा नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर महंगाई भत्ता 50त्न से अधिक हो जाता है, तो इसे मूल वेतन में विलय नहीं किया जाएगा। डीए के 50त्न पार होने पर अन्य भत्तों, जैसे ।क्र में वृद्धि के प्रावधान किए जाते हैं, लेकिन डीए को मूल वेतन में शामिल नहीं किया जाएगा। यह व्यवस्था 8वें वेतन आयोग के गठन तक बरकरार रहेगी।

8वें वेतन आयोग के गठन का प्रस्ताव नहीं: केंद्रीय कर्मचारी संघों ने 8वें वेतन आयोग के गठन की मांग की है, लेकिन फ्लिहाल सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। वित्त राज्य मंत्री ने 30 जुलाई को राज्यसभा में स्पष्ट किया कि जून 2024 तक सरकार के पास 8वें वेतन आयोग के गठन का कोई प्रस्ताव नहीं है। महंगाई भत्ते की वृद्धि, अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के 12 महीने के औसत पर आधारित होती है। यह वृद्धि साल में दो बार, 1 जनवरी और 1 जुलाई को लागू की जाती है। हालांकि, इसका आधिकारिक ऐलान मार्च और सितंबर या अक्टूबर में होता है।

साढ़े 6 हजार से ज्यादा गाँवों की बदलेगी तस्वीर

केन्द्र के नए प्रोजेक्ट से होगा इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। हाल ही में मोदी कैबिनेट की हुई बैठक में छत्तीसगढ़ के साढ़े 6 हजार से ज्यादा गांवों में इंफ्रस्ट्रक्चर डेवलपमेंट के नए प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार भी इस प्रोजेक्ट को लेकर सक्रिय हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केन्द्र सरकार की इस परियोजना के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश अफसरों को दिए हैं। माना जा रहा है कि गांवों के विकास के लिए यह परियोजना मील का पत्थर साबित होगी। इसके तहत गांवों में इंटरनेट, अस्पताल, सड़क के साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा आदि सुविधाओं का विस्तार होगा। इसके अलावा जिन गांवों में पर्यटन की संभावना है, वहां के दिन भी बहुरेंगे।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ के 6,691 आदिवासी बाहुल्य गांव को उन्नत गांव बनाने के लिए सिलेक्ट किया है। इन गांव में ट्राइबल मार्केटिंग सेंटर, स्कूल, अस्पताल, सड़क, इंटरनेट की सुविधा और मोबाइल कनेक्टिविटी बढ़ाने में मदद की जाएगी। इस योजना का नाम 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' है।

मोदी कैबिनेट ने इसे मंजूरी दे दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस अभियान में आदिवासी और अनुसूचित जाति इलाकों पर खास फोकस किया जाएगा। इसमें आदिवासी परिवारों के सामाजिक-आर्थिक विकास के काम होंगे। गांवों में इन्फ्रास्ट्रक्र डेवलपमेंट के प्रोजेक्ट लाए जाएंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केन्द्र सरकार की ओर शुरू की गई इस योजना का राज्य में बेहतर क्रियान्वयन करने के अफसरों को निर्देश दिए हैं। केन्द्र सरकार के इस नए प्रोजेक्ट से राज्य के ग्रामीण अंचलों के विकास को रफ्तार मिलेगी।

जरूरत के मुताबिक होंगे काम...

इस योजना के तहत आदिवासी गांवों और आकांक्षी जिलों में काम किए जाएंगे। स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, कनेक्टिविटी और लाइवलीहुड के सेक्टर्स के काम होंगे। छत्तीसगढ़ के आदिम जाति विकास मंत्री नेताम ने बताया कि राज्य में कुल 30.62 प्रतिशत जनजातीय जनसंख्या निवास करती है। योजना में हर गांव के लिए 20.38 लाख के हिसाब से राशि की स्वीकृति मिली है। इसमें गांव की जरूरत के हिसाब से अलग-अलग काम होंगे। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए पुरजोर प्रयास कर रही है। इनमें पहले से ही इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से लेकर ग्रामीणों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की कोशिशें शामिल है। केन्द्र सरकार के नए प्रोजेक्ट से छत्तीसगढ़ सरकार के कार्यों को और अधिक संबल मिलेगा। इससे गांव और ग्रामीणों के विकास में तेजी आएगी।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं पर जोर

इस अभियान के अंतर्गत एसटी परिवारों की गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करना, शिशु मृत्यु दर (आईएमआर), मातृत्व मृत्यु दर (एमएमआर) में राष्ट्रीय मानकों को हासिल करना और उन स्थानों, जहां स्वास्थ्य उपकेंद्र मैदानी क्षेत्रों में 10 किमी से अधिक और पहाड़ी क्षेत्रों में 5 किमी से अधिक हैं, वहां मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से टीकाकरण का कवरेज। वहीं, जिन गांवों में पर्यटन की संभावना है। वहां जनजातीय परिवारों तथा गांव को एक गांव में 5-10 गृह प्रवासों के निर्माण के लिए फंड दिया जाएगा। प्रत्येक परिवार दो नए कमरों के निर्माण के लिए 5 लाख रुपए और मौजूदा कमरों के पुनर्निर्माण के लिए 3 लाख रुपए तक और ग्राम समुदाय आवश्यकता के लिए 5 लाख रुपए का पात्र होगा।

आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर

आजीविका (स्वरोजगार) में सुधार करना- प्रशिक्षण (कौशल भारत मिशन/जेएसएस) तक पहुंच प्रदान करना और यह सुनिश्चित करना कि एसटी समुदाय के छात्र-छात्राएं हर साल 10वीं-12वीं कक्षा के बाद दीर्घकालिक कौशल पाठ्यक्रमों तक पहुंच प्राप्त करें। इसके अलावा, जनजातीय बहुउद्देशीय विपणन केंद्र (टीएमएमसी) के माध्यम से विपणन सहायता, पर्यटक गृह प्रवास, कृषि, पशुपालन और मत्स्य पालन के माध्यम से एफआरए पट्टा धारकों को सहायता प्रदान करना। योजना के तहत शिक्षा- स्कूल और उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाना और जिला/ब्लॉक स्तर पर स्कूलों में जनजातीय छात्रावासों की स्थापना करके एसटी छात्रों (समग्र शिक्षा अभियान) के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सस्ता बनाना शामिल है।

32 जिलों के 138 विकासखंड

मंत्री नेताम के मुताबिक, छत्तीसगढ़ के 32 जिलों के 138 विकासखंड के 6691 अनुसूचित जनजाति बाहुल्य गांवों में इस स्कीम के तहत काम शुरू होंगे। उन्होंने बताया कि केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय की मदद से गांव में ट्राइबल मल्टीपरपज मार्केटिंग सेन्टर्स, आश्रम शाला, छात्रावासों, शासकीय जनजातीय आवासीय विद्यालयों में अधो-संरचनात्मक सुधार, सिकलसेल डिजीज के लिए सपोर्ट-काउन्सलिंग, काम्पीटेन्स सेंटर की स्थापना, डिजिटाइलेशन के काम होंगे।

बुनियादी ढांचे का विकास

योजना के तहत पात्र परिवारों के लिए पक्का घर और अन्य सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। पात्र अनुसूचित जनजाति (एसटी) परिवारों को पीएमएवाई (ग्रामीण) के तहत नल के पानी (जलजीवन मिशन) और बिजली आपूर्ति (आरडीएसएस) की उपलब्धता के साथ पक्के आवास मिलेंगे। पात्र एसटी परिवारों की आयुष्मान भारत कार्ड (पीएमजेएवाई) तक भी पहुंच होगी। एसटी बहुल गांवों (पीएमजीएसवाई) के लिए सभी मौसम में बेहतर सड़क संपर्क, मोबाइल कनेक्टिविटी (भारत नेट) और इंटरनेट तक पहुंच प्रदान करना, स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा में सुधार के संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे।

शिफ्ट हुई गदा चौक की शराब दुकान, विधायक रिकेश ने अफसरों को दिए थे कड़े निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला के व्यस्ततम मार्ग पर गदा चौक स्थित शराब की दुकान के दिन अब लद गए हैं। यह शराब की दुकान अब दूसरी जगह शिफ्ट हो गई है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन के प्रयास से अब इस दुकान हो भिलाई नगर निगम के पीछे शिफ्ट कर दिया गया है। शराब की दुकान के साथ ही चखना सेंटर को भी शिफ्ट कर दिया गया है। विधायक रिकेश सेन ने शनिवार रात को अधिकारी को तलब कर 48 घंटे का अल्टिमेटम दिया था।

बता दें सुपेला गदा चौक स्थित अंग्रेजी शराब दुकान को वहां से हटाकर अन्यत्र शिफ्ट करने को लेकर पहले भी कई बार आंदोलन हुए। हिंदू वादी संगठन व भाजपा नेताओं द्वारा कांग्रेस शासनकाल में इसका विरोध किया था लेकिन कुछ नहीं हुआ। अब वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने स्वयं इसकी जिम्मेदारी ली। उन्होंने इसके लिए जिले के प्रभारी और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भी इस दुकान और चखना सेंटर को हटाने पत्र लिखा था।

होटल व्यवसायियों ने जताया था विरोध

इसके बाद दुकान स्थानांतरित करने की प्रक्रिया के तहत भिलाई निगम के बगल से होते हुए पटरी व होटल के पीछे स्थल चयन कर पूरा इंतजाम भी कर लिया गया। इस बीच सुपेला के कुछ होटल व्यवसायी निगम के पीछे इस शराब दुकान और चखना सेंटर के स्थानांतरण को रोकने के प्रयास में जुट गए। यहां के होटल व्यवसायियों का कहना था कि उनके होटलों में परिवार वाले समय बिताते हैं हैं और ऐसे में यहां शराब की दुकान खुलने से अराजकता फैलेगी। होटल व्यवसायियों के विरोध के कारण पूरा सेटअप होने के बाद शराब की दुकान शिफ्ट नहीं हो रही थी।

शनिवार रात को दिया 48 घंटे का अल्टीमेटम

शनिवार की रात विधायक रिकेश सेन जब इस मार्ग से गुजर रहे थे तो गदा चौक पर अनावश्यक बैठे लोग उन्हें दिखाई पड़े परिणाम स्वरूप उन्होंने तत्काल गाड़ी रूकवा कर मौके का निरीक्षण किया और दुकान स्थानांतरण को लेकर हो रही अनावश्यक लेटलतीफी पर नाराजगी जताई। प्रदेश के एक संबंधित अधिकारी को फोन कर उन्होंने तत्काल 48 घंटे के भीतर शराब दुकान और चखना सेंटर हटाने का निर्देश दिया। इस घटना का एक विडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें विधायक सेन अधिकारी को 48 घंटे के भीतर दुकान हटाने का निर्देश दे रहे हैं। वायरल विडियो में उन्होंने सुपेला अंग्रेजी शराब की दुकान को गदा चौक से दो दिन के अंदर शिफ्ट करने कहा रहे हैं। विधायक के कड़े निर्देश बाद संबंधित अमला तत्काल सक्रिय हुआ और रविवार छुट्टी के दिन भी कर्मचारी लगा कर यह दुकान भिलाई निगम के पीछे शिफ्ट कर दी गई। सोवार से अंग्रेजी शराब की दुकान और चखना सेंटर भिलाई निगम के पीछे खाली मैदान में संचालित होगा।

विधायक बनते ही शराब की दुकान को हटाने का लिया था निर्णय

विधायक बनते ही रिकेश सेन ने गदा चौक के समीप स्थित इस दुकान को हटाने का निर्णय लिया था क्योंकि मुख्य मार्ग पर अंग्रेजी दुकान और चखना सेंटर होने से शराबी आसामाजिक तत्वों का यहां जमावड़ा होता था। चूंकि यह चौराहा हनुमानजी के शस्त्र गदा को समर्पित है, इस चौक के समीप ही आसामाजिक तत्व बैठने लगे थे। मुख्य मार्ग होने की वजह से स्कूली बच्चे और लोग परिवार सहित आना जाना करते थे और इस दौरान शराब दुकान और चखना सेंटर की भीड़ अनावश्यक तथा अशोभनीय लगती थी।

चाइल्ड पोर्न पर बेकार की बहस

श्रीकंचनपथ

भारतीय संस्कृति और सभ्यता बच्चों में ईश्वर का रूप देखती है। इनका यौन शोषण करना पाप है। हम इस बहस में नहीं पड़ना चाहते कि किस देश में बच्चों का यौन शोषण किया जाता है। जब हम बच्चा कहते हैं तो इसमें बालक और बालिकाएं दोनों ही शामिल होती हैं। यह न केवल एक निंदनीय कृत्य है बल्कि इस कृत्य को देखकर आनंद लेना भी एक तरह की मानसिक विकृति है। इसलिए बाल यौन शोषण और उसमें रुचि या आनंद लेना दोनों एक ही प्रकार के अपराध हैं। यदि किसी देश में बाल यौन शोषण अपराध है तो उसका समर्थन करने वाले और उसमें मजे लेने वाले भी अपराधी ही होंगे। देश में फ्लिहाल यह मामला अभी अदालत में है जिसपर कोई टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। दरअसल, केरल हाईकोर्ट ने 13 दिसम्बर 2023 के अपने फैसले में कहा था कि अगर कोई व्यक्ति निजी तौर पर एकांत में पोर्न देख रहा होगा तो यह अपराध नहीं होगा। लेकिन यदि उसने किसी और को अश्लील तस्वीरें या वीडियो दिखाई तो यह अपराध होगा। यह मामला ऑनलाइन क्रिकेट बेटिंग जैसा है जिसमें आप स्वयं तो बेटिंग कर सकते हैं पर यदि आपने किसी और की बेट लगाई तो आप अपराधी बन जाते हैं। केरल हाईकोर्ट की टिप्पणी को आधार बनाते हुए मद्रास हाईकोर्ट ने 11 जनवरी 2024 को पॉक्सो एक्ट के एक आरोपी के खिलाफ केस को रद्द कर दिया था। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि अपनी डिवाइस पर चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखना या डाउनलोड करना अपराध के दायरे में नहीं आता है। इससे पहले साल 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने एक केस में फैसला देते हुए कहा था कि पोर्न देखना गलत नहीं है, लेकिन किसी को दिखाना गलत है। इसे शेयर करना गलत है। इसे इकट्ठा करना भी अपराध की श्रेणी में आता है। इससे जुड़े कानूनों पर बहस करना अदालतों का काम है, हम इसपर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। हमारा लक्ष्य इसके समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण की विवेचना करना है। उपनिषदों में कहा गया है कि जैसा खाएंगे अन्न, वैसा रहेगा मन ङ्क 'आहार शुद्धौ सत्वशुद्धिः', यानी हमारा आहार शुद्ध होगा, तो हमारी चेतना भी शुद्ध होगी। चेतना के अनुरूप ही हमारे विचार होते हैं, बुद्धि होती है, कार्य होते हैं और अंत में हम स्वयं भी वैसे ही बन जाते हैं। फ्रि से सवाल वही उठता है कि जो बच्चों से जुड़े पोर्न देखेगा, क्या उसके आसपास बच्चे सुरक्षित रहेंगे। भले ही व्यक्ति यौन भावनाओं को भड़काने वाली सामग्री एकांत में देखता हो पर उसकी हरकतें तो इसी समाज को भुगतनी होंगी। यौन कुंठित लोगों से इन निरपराध लोगों की रक्षा का दायित्व भी तो शासन और न्यायपालिका का ही है। साथ ही समाज को भी अपनी भूमिका तय करनी होगी कि इस समस्या से वह कैसे निपटे। अविवाहितों, खराब शादियों में फंसे लोगों और विधवा विधुर वर्ग के लोगों के पास कौन से विकल्प समाज ने छोड़े हैं?

संपादकीय

मोटापे की दवाएं

संसार में मोटापा एक बड़ी समस्या ही नहीं, बल्कि एक बड़े रोग की तरह फैल रहा है और ऐसे में, मोटापे की दवा खोजने में लगे वैज्ञानिकों का सम्मान सुखद व स्वाभाविक है। वैसे तो मोटापे की दवा खोजने के अभियान में अनेक वैज्ञानिकों का योगदान रहा है, पर उनमें से तीन वैज्ञानिकों को इस वर्ष के प्रतिष्ठित लास्कर पुरस्कार के लिए चुना गया है। सबसे कामयाब मोटापा-विरोधी दवाओं को विकसित करने में शामिल इन तीन वैज्ञानिकों के बारे में माना जा रहा है कि इन्हें चिकित्सा का नोबेल भी मिलेगा। आमतौर पर लास्कर पुरस्कार जीतने वाले वैज्ञानिक को ही नोबेल दिया जाता है। ये तीन सम्मानित वैज्ञानिक हैं- जोएल हेबेनर, स्वेतलाना मोजसोव और लोते बेजरे नुडसन। इनके द्वारा निर्मित दवा दरअसल ग्लूकागन- जैसे पेप्टाइड 1 (जीएलपी-1) नामक हार्मोन की नकल करती है, इससे रक्त-शर्करा के स्तर को कम करने और भूख नियंत्रित करने में मदद मिलती है। क्लिनिकल-अनुसंधान श्रेणी में लास्कर से सम्मानित इन तीनों वैज्ञानिकों को 2,50,000 अमेरिकी डॉलर की राशि मिलेगी। वास्तव में, बायोमेडिकल वैज्ञानिक जीएलपी-1 अनुसंधान की बढ़ती मान्यता से उत्साहित हैं। इसका मकसद शुरुआत में मधुमेह का इलाज करना था और मधुमेह के इलाज की तलाश में मोटापे की दवाएं हाथ लगी हैं।

> “मोटापे से जुड़ी एक खबर यह भी है कि दुनिया भर में लाखों वयस्क वजन कम करने के लिए वेगोवी जैसी शक्तिशाली दवाएं ले रहे हैं, पर क्या बच्चों को भी ऐसा करना चाहिए? दरअसल, बच्चों में बढ़ता मोटापा एक बड़ी समस्या है। वैज्ञानिकों ने अपने प्रयोग में पाया है कि यह दवा लेने पर मोटे बच्चों को लाभ होता है, पर अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ये बच्चे जब बड़े होंगे, तब उनके साथ क्या होगा। कहीं ऐसा न हो कि बच्चों को बड़े होने के बाद भारी नुकसान उठाना पड़े। आज मोटापे की दवा अपनी जगह एक बड़ी जरूरत बन गई है, लेकिन ज्यादातर चिकित्सक यही चाहते हैं कि बच्चे हों या बड़े, स्वाभाविक या प्राकृतिक प्रयासों से ही अपना मोटापा घटाएं, इसी में स्थायी हित है।

गौर करने की बात है कि मोटापा के मोर्चे पर वैज्ञानिक लंबे समय से काम कर रहे हैं। शल्य क्रिया के अलावा कुछ दवाएं भी उपलब्ध हैं, जो मोटापे को घटाने में मदद कर सकती हैं। मोटापे के खिलाफ नई कामयाबी से यह पता चला है कि जीएलपी-1 आधारित दवाएं सिर्फ मोटापे और मधुमेह का इलाज नहीं करती हैं। वे हृदय रोग, किडनी रोग के इलाज में भी मददगार हो सकती है। इन दवाओं का इस्तेमाल स्लीप एपनिया में भी हो सकता है। इधर, स्लीप एपनिया के मामले बढ़ रहे हैं, मतलब, सोते समय सांस रुक-रुककर चलने की शिकायत बढ़ रही है। वास्तव में, एक अच्छी दवा जब बनती है, तो उसका व्यापक प्रयोग या उपयोग सामने आता है। जीएलपी-1 आधारित दवाओं पर और काम करने की जरूरत है, ताकि ज्यादा सुरक्षित दवाएं लोगों तक पहुंच पाएं।

वास्तव में, मोटापे पर दुनिया के अनेक वैज्ञानिक काम कर रहे हैं और तरह-तरह के शोध सामने आ रहे हैं। एक ताजा शोध से यह पता चलता है कि मोटापा भूख से जुड़े न्यूरॉन्स के आसपास आणविक जाल के निर्माण से प्रेरित होता है। यह भी पता चला है कि प्रोटीन और शर्करा के एक नेटवर्क का संचय, जिसे बाह्य कोशिकीय मैट्रिक्स कहा जाता है, इंसुलिन को भूख नियंत्रित करने वाले न्यूरॉन्स तक पहुंचने से रोकता है, इससे मोटापे को बल मिलता है। मोटापे से जुड़ी एक खबर यह भी है कि दुनिया भर में लाखों वयस्क वजन कम करने के लिए वेगोवी जैसी शक्तिशाली दवाएं ले रहे हैं, पर क्या बच्चों को भी ऐसा करना चाहिए? दरअसल, बच्चों में बढ़ता मोटापा एक बड़ी समस्या है। वैज्ञानिकों ने अपने प्रयोग में पाया है कि यह दवा लेने पर मोटे बच्चों को लाभ होता है, पर अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ये बच्चे जब बड़े होंगे, तब उनके साथ क्या होगा। कहीं ऐसा न हो कि बच्चों को बड़े होने के बाद भारी नुकसान उठाना पड़े। आज मोटापे की दवा अपनी जगह एक बड़ी जरूरत बन गई है, लेकिन ज्यादातर चिकित्सक यही चाहते हैं कि बच्चे हों या बड़े, स्वाभाविक या प्राकृतिक प्रयासों से ही अपना मोटापा घटाएं, इसी में स्थायी हित है।

नजरिया

ब्याज दरों को कम करने का चक्र हुआ प्रारम्भ

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जर्मी पोवेल ने 19 सितम्बर 2024 को यूएस फेड दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी करने की घोषणा करते हुए यूएस फेड दर को 5.5 प्रतिशत से घटाकर कर 5 प्रतिशत कर दिया है।

प्रहलाद सबनानी

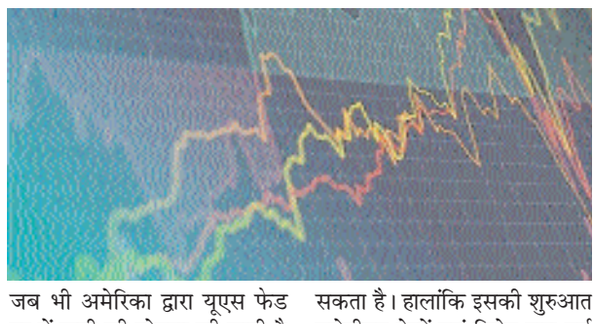

4 वर्ष पूर्व पूरे विश्व में फैली कोविड महामारी के खंडकाल के पश्चात मुद्रा स्फीति की दर में, पिछले 4 दशकों में, सबसे अधिक वृद्धि दर्ज हुई थी और मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से विकसित एवं अन्य कई देश ब्याज दरों को लगातार बढ़ा रहे थे ताकि उत्पादों की मांग बाजार में कम हो तथा उत्पादों की आपूर्ति इस मांग के अनुरूप हो जाए। पिछले 4 वर्षों के दौरान यूएस फेड दर 0 प्रतिशत से बढ़कर 5.50 प्रतिशत तक पहुंच गई थी परंतु अब 4 वर्ष पश्चात यूएस फेड दर को कम करने की घोषणा की गई है।

कई विकसित एवं विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका में लागू ब्याज दरों से अत्यधिक प्रभावित होती हैं। जब भी अमेरिका द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा की जाती है तो अन्य देशों में अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों के संस्थानों एवं नागरिकों द्वारा किया गया निवेश इन देशों से निकलकर अमेरिका में वापिस आने लगता है क्योंकि अमेरिकी वित्तीय संस्थानों एवं अमेरिकी सरकार द्वारा जारी किए जाने बां ड पर उन्हें आकर्षक ब्याज दर मिलने लगती है। इसके विपरीत जब भी अमेरिका द्वारा यूएस फेड दर में कमी की घोषणा की जाती है तो अन्य विकासशील देशों में अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों के संस्थानों एवं नागरिकों का निवेश बढ़ने लगता है क्योंकि इन्हें अमेरिकी वित्तीय संस्थानों एवं सरकार द्वारा जारी किए जाने बांड पर तुलनात्मक रूप से कम आय होने लगती है। इसी विशेष कारण के चलते कई देशों को अमेरिकी फेड रिजर्व के निर्णय को ध्यान में रखते हुए ही अपने देश में भी ब्याज दरों को कम अथवा अधिक करना होता है ताकि उनके देश में अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों के संस्थानों एवं नागरिकों द्वारा किया जा रहा निवेश बहुत अधिक प्रभावित नहीं हो।

चूंकि अब यूएस फेड दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की गई है अत: अन्य कई देश भी ब्याज दरों में कमी की घोषणा कर सकते हैं। इससे पूरे विश्व में ही ब्याज दरों को कम करने का चक्र प्रारम्भ हो सकता है। हालांकि इसकी शुरुआत यूरोपीयन देशों एवं ब्रिटेन द्वारा पूर्व में की जा चुकी है तथा अब विकासशील देश भी ब्याज दरों में कमी की घोषणा शीघ्र ही कर सकते हैं। भारत में भी हालांकि पिछले कुछ समय से मुद्रा स्फीति की दर लगातार नियंत्रण में बनी हुई है परंतु भारतीय रिजर्व बैंक यदि पूर्व में ही ब्याज दरों में कमी की घोषणा करता तो भारत में अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों के संस्थानों द्वारा अमेरिकी डॉलर में किये गए निवेश के भारत से निकलने की सम्भावना बढ़ जाती। आज विश्व के कई देश, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में, आपस में इतने अधिक जुड़ चुके हैं कि किसी एक देश के आर्थिक क्षेत्र में होने वाले परिवर्तन अन्य देशों के आर्थिक क्षेत्र को भी प्रभावित करते हैं।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा यह भी कहा गया है कि केलेंडर वर्ष 2024 में यूएस फेड दर में 25 आधार बिंदुओं की दो बार और कमी की घोषणा की जा सकती है तथा केलेंडर वर्ष 2025 में 100 आधार बिंदुओं की कमी की जा सकती है। इस प्रकार यूएस फेड दर घटकर 3.50 प्रतिशत तक नीचे आ सकती है। यूएस फेड दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की घोषणा के साथ ही 10 वर्षों के लिए जारी अमेरिकी बांड की यील्ड घटकर 3.73 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है एवं डॉलर इंडेक्स भी 100.37 के निचले स्तर पर आ गया है। अब अमेरिकी डॉलर पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में दबाव बढ़ेगा जिससे अमेरिकी डॉलर का अवमूल्यन हो सकता है। इससे अमेरिकी बाजारों से अब पूंजी निकलकर अधिक आय की तलाश में अन्य इमर्जिंग देशों के शेयर बाजार में जाएगी। इसका सबसे अधिक लाभ भारत को हो सकता है क्योंकि भारत पूर्व में ही MSCI Emerging Market IMI (Investible Market Inde&) Inde& में चीन से आगे निकलकर प्रथम स्थान पर आ गया है। इस इंडेक्स में भारत के शेयरों का भार चीन के शेयरों के भार से अधिक हो गया है। विश्व के वित्तीय संस्थान, सोवरेन फंड, पेंशन फंड एवं अन्य निवेशक MSCI के इंडेक्स पर अधिक विश्वास करते हैं एवं अपने निवेश भी इस इंडेक्स में शामिल शेयरों में करते हैं।

दूसरे, अब बहुत सम्भव है कि भारतीय रिजर्व बैंक भी रेपो दर में कमी की घोषणा शीघ्र ही करे क्योंकि अब अमेरिका में अधिक ब्याज दरों का दौर समाप्त हो रहा है। अमेरिका में बढ़ी हुई ब्याज दरों का विपरीत प्रभाव न केवल भारतीय रुपए पर हो रहा था बल्कि अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों से भारत में अमेरिकी डॉलर में होने वाले विदेशी निवेश पर भी दबाव बना हुआ था। अब अमेरिका में यूएस फेड दर के कम करने से भारतीय रुपए पर दबाव एवं भारत से विदेशी निवेश के बाहर जाने का डर भी कम हो जाएगा। साथ ही, यदि भारत में भी ब्याज दरों को कम करने का दौर शुरू होता है तो इससे भारतीय उद्योग जगत को फायदा होगा और उनकी लाभप्रदता में वृद्धि होगी जो विदेशी निवेश को भारत में आकर्षित करने में सहायक होगी। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पहिले से ही अपने उच्चत्तम स्तर 68,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है। अब बदली हुई परिस्थितियों में भारत का शेयर बाजार यदि और अधिक विदेशी निवेश की राशि भारत में आकर्षित करता है तो भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 100,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर सकने की क्षमता रखता है। तीसरे, भारत में ब्याज दरों के कम होने से उद्योग जगत द्वारा भारत में उत्पादित वस्तुओं की लागत भी कम हो सकती हैं और भारत में निर्मित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे, इससे भारतीय उत्पादों के निर्यात में वृद्धि होने की सम्भावना बन सकेगी। चौथे, अमेरिकी बाजार में ब्याज दरों के कम होने से विशेष रूप से सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्यरत बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की लाभप्रदता में वृद्धि के चलते इन कम्पनियों द्वारा नवाचार के लिए रीसर्च पर खर्च में बढ़ौतरी की जा सकती है, जिसका सीधा सीधा लाभ भारत में सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनियों को होने जा रहा है।

आम जनता द्वारा बैंकों से लिए गए ऋण की किश्तें भी अब कम हो सकती हैं इससे विशेष रूप से मध्यमवर्गीय परिवारों द्वारा खर्च करने योग्य राशि में वृद्धि होगी जो विभिन्न उत्पादों की मांग निर्मित करने में सहायक होगी। कुल मिलाकर, अब यह कहा जा सकता है कि अमेरिका में यूएस फेड दर के कम करने का अच्छा प्रभाव आगे आने वाले समय में विकसित देशों एवं भारत सहित विश्व की अन्य इमर्जिंग अर्थव्यवस्थाओं पर भी दिखाई देने लगेगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

शरीर को छेदने वाली आरक्षण की फांस

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा

आरक्षण को लेकर एक नई जंग सुप्रीम कोर्ट की सलाह के बाद शुरू हो चुकी है। सन 1950 से शुरू आरक्षण प्रक्रिया यूं तो 10 वर्ष बाद समाप्त हो जानी थी, किंतु स्वतंत्र भारत में राज करने वाली सियासती पार्टियों ने आरक्षण को अपनी कुर्सी का मजबूत स्तंभ बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी! अब 74 वर्ष बाद भी आरक्षण समाप्त करने की हिम्मत किसी भी दल में दिखाई नहीं पड़ रही है! आज से 74 वर्ष पूर्व जब आरक्षण की प्रक्रिया लागू की गई तब इसे सामानता और दलित वर्गों के उद्धार से जोड़कर देखा गया। उस वक्त के लोगों की सोच को समाजवादी विचारधारा कहा जाना भी गलत नहीं होना चाहिए। निम्न तबके को मजबूती देने के लिए किए गए प्रावधानों पर अब पुनः विचार की जरूरत प्रत्येक दल को ठीक उसी तरह महसूस करनी चाहिए जिस तरह स्वतंत्रता के बाद उन्हें आर्थिक रूप से सबल बनाने देश के कर्णधारों ने की थी। क्या आज का हिंदुस्तान उस स्थिति को नहीं देख पा रहा है, जिसमें निम्न तबका तो उबर चुका है या अपने दुर्दिनों पर विजय पा चुका है?

आज से सात दशक पूर्व हम जिन्हे आर्थिक दृष्टिकोण से कमजोर नहीं मान रहे थे , क्या वे आज उसी स्थिति में हैं? कहीं हम समाजवादी विचारधारा की परिभाषा से भटक तो नहीं गए हैं? समय-काल-परिस्थिति के अनुसार यदि देश की सरकारें जनता के हित का ध्यान न रख सकें, तो उन्हें राजा कहलाने का हक नहीं होना चाहिए। आरक्षण की फांस वर्तमान 21 वीं सदी में ऐसा दर्द दे रही है, जिसका इलाज दूर-दूर तक दिखाई नहीं पड़ रहा है! जब हमारे देश का सुप्रीम कोर्ट भी यह सुझाव दे रहा है कि गरीबी से उबर चुके ऐसे वर्ग को अब आरक्षण से अलग कर देना चाहिए तब देश में बवाल क्यों मच रहा है? आरक्षण को खत्म करने की तो बात ही नहीं की गई है। बावजूद इसके, लाभ ले चुके लोग उस बैसाखी को छोड़ अन्य जरूरत मंदों को मौका क्यों नहीं देना चाहते हैं ? लंबे समय से चले आ रहे आरक्षण के संबंध में संविधान पीठ ने 6-1 के बहुमत से फैसला दिया कि राज्यों को आरक्षण के लिए कोटा के भीतर कोटा बनाने का अधिकार है। तात्पर्य यह कि राज्य सरकारें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए सब-कैटेगरी बना सकती हैं। संविधान पीठ का ऐसा सुझाव देने के पीछे एक ही उद्देश्य छिपा नजर आता है, जो सबसे ज्यादा जरूरत मंद के लिए प्राथमिकता के दायरे में खड़ा दिखाई पड़ रहा है। यह भी कहा गया है कि विधान सभाएं इसे लेकर कानून बनाने में सक्षम होंगी। हमारे देश की सरकारों ने आरक्षण को ऐसी रबर की रस्सी बना दिया है, जिसे समय-समय पर खींच कर लंबा किया जा सके! 1950 से बढ़ते-बढ़ते आरक्षण रूपी वही रस्सी 2020 तक पहुंची थी कि सरकार ने इसे पुनः खींचकर 2030 तक विस्तारित कर दिया! हमारे संविधान के अनुसार आरक्षण की सीमा किसी भी रूप में 50 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। एक नया आरक्षण (ई डब्ल्यू एस) अर्थात आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए प्रावधान करते हुए 10 प्रतिशत की व्यवस्था की गई है। इस स्थिति में कुल आरक्षण का दायरा 50 प्रतिशत को पार कर गया है! इससे पहले कुल आरक्षण 49. 5 प्रतिशत था। इसमें ओ बी सी 27 प्रतिशत , अनुसूचित जाति को 15 प्रतिशत तथा अनुसूचित जन जाति को 7.5 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा था।

केंद्र और राज्य सरकारों ने फरवरी 2024 में सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि अनुसूचित जाति समुदायों के आरक्षण के भीतर आरक्षण से जरूरतमंद और सबसे कमजोर समुहों को बड़ा लाभ पहुंच सकेगा। साथ ही साथ इस वर्ग के ऐसे लोग जो सामाजिक पिछड़ेपन से ऊपर उठ चुके हैं उन्हें आरक्षण का अधिक लाभ लेने से रोका जा सकेगा। अब, जब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों की मंशा के अनुसार ही अपना सुझाव सार्वजनिक किया है, तब इसे न मानने का कारण समझ से परे है। स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है कि सरकारें एस सी, एस टी और पिछड़ा वर्ग के विरोध के आगे इसलिए झुक रही हैं कि कहीं उनका वोट बैंक छिटककर किसी और की झोली में न चला जाए ? वर्तमान में एन डी ए की सरकार में शामिल कुछ दल सुप्रीम कोर्ट के फैसले को मानने से परहेज कर रहे हैं! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी यह डर सता रहा है कि फैसले को स्वीकार करने से कहीं सरकार न गिर पड़े। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी यह कहने से नहीं चूक रहे हैं कि क्रिमिलेयर को बाहर रखने के सुप्रीम कोर्ट के सुझाव को वे नहीं मानेंगे! आरक्षण को लेकर कुछ प्रश्न मेरे मन में भी उठ रहे हैं, जिनका उत्तर न्यायपालिका को नहीं समाज को देना होगा । क्या हम संतुष्ट हैं कि सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए आरक्षण अपरिहार्य है? क्या आरक्षण की वर्तमान व्यवस्थाएं पिछले सात दशक में सामाजिक न्याय की स्थापना करने में सफल हो सकी है? क्या समाज के गरीब तबके को उसका लाभ मिल पाया है? क्या दलितों और पिछड़ों में एक ऐसा वर्ग प्रकट हो गया है जो अपने ही वर्ग के गरीबों को आगे नहीं आने देना चाहता है? भले ही सर्वोच्च न्यायालय ने पिछड़ों में क्रिमिलेयर का प्रावधान किया है, किंतु पिछड़ों में अति पिछड़े व गरीब तो अभी भी वहीं खड़े दिखाई पड़ रहे हैं!

पिछले सात दशकों में सामाजिक स्तर पर बहुत कुछ बदल चुका है। दलित और पिछड़ा वर्ग के असंख्य सदस्य उच्च पदों पर आसीन होकर आर्थिक संपन्नता सहित समाज में प्रतिष्ठा पा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर गरीब वर्ग भी है, जिसमे सामान्य, पिछड़ा, दलित और मुस्लिम सभी तबके के लोग शामिल हैं। जहां तक मैं समझता हूं अब जाति से अधिक आर्थिक पहलू महत्वपूर्ण हो गया है , तब जरूरत इस बात की है कि सामाजिक-शैक्षणिक पिछड़ेपन को आर्थिक स्थिति से जोड़ा जाए। वर्तमान की स्थिति को देखते हुए समाज, राजनैतिक दलों और संसद को आगे आकर सामाजिक, शैक्षणिक पिछड़ेपन को केवल जाति के आधार पर नहीं वरन आर्थिक आधार पर भी परिभाषित करना चाहिए। जब तक आरक्षण का उचित प्रारूप सभी वर्गों को साथ लेकर नहीं लाया जाएगा तब तक सामान्य और आरक्षण के दायरे में न आने वाला समुदाय आरक्षण की फांस से नहीं निकल पाएगा। आज स्थिति बद से बदतर हो चली है। उच्च शिक्षित युवा- युवतियां इसी आरक्षण के भार तले दबकर खुद की सांसे घुटने जैसा अनुभव कर रहे हैं। इस घुटन से देश के लोगों को राहत दिलाने संसद और विधानसभाओं में सभी के लिए समान कानून लाकर राजनीति से परे सामाजिक उद्धार का रास्ता अख्तियार करना ही आज की जरूरत है।

(ये लेखक के विचार हैं)

चुनाव जहरीला भी हुआ और हास्यास्पद भी

दुनिया के सबसे जीवंत लोकतंत्र अमेरिका में राष्ट्रपति का चुनाव तमाशा बन गया है। अकेले ट्रंप के कारण चुनाव जहरीला भी हुआ और हास्यास्पद भी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में वह सब हो रहा है, जो आधुनिक समय में सोचा भी नहीं गया था। जैसे जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है वैसे वैसे प्रचार में जहर घुलता जा रहा है। पूर्व राष्ट्रपति और इस बार के चुनाव में राष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर दूसरी बार हमले का प्रयास हुआ है। 13 जुलाई को पेन्सिलवेनिया में ट्रंप के ऊपर हमला हुआ था। तब गोली उनके कान को छूकर निकली थी।

हमलावर को उसी समय सीक्रेट सर्विस ने मार गिराया था। दूसरी बार फ्लोरिडा में हमले का प्रयास हुआ है। हालांकि सीक्रेट सर्विस पक्के तौर पर नहीं कह रही है कि ट्रंप पर गोली चली लेकिन फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी के इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में एक व्यक्ति हथियार के साथ मौजूद था, जिस पर सीक्रेट सर्विस ने गोली चलाई और वह व्यक्ति हथियार छोड़ कर भाग गया। एफबीआई मामले की जांच कर रही है। जो हथियार बरामद हुआ है वह एके-47 राइफल की तरह का है। अमेरिका जैसे देश में, जहां हथियार बहुत सहज रूप से लोगों को उपलब्ध हैं, वहां अगर राजनीतिक विभाजन इतना बढ़ता है कि मरने मारने की प्रवृत्ति आ जाए तो यह बहुत खतरनाक है। इसके लिए ट्रंप का प्रचार और उनका भाषण बहुत हद तक जिम्मेदार है। उन्होंने अमेरिकी समाज को दोस्त और दुश्मन में बांट दिया है। उन्होंने ऐसा माहौल बना दिया है, जिसमें जो उनके साथ है वह अमेरिका का दोस्त है और जो उनके खिलाफ है। वह अमेरिका का दुश्मन है। ऐसी सोच अमेरिकी चुनाव में पहले कभी नहीं रही। ट्रंप बार बार इसका प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रत्याशी और उप राष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ डिबेट में जिस तरह की बातें कहीं वह इसकी मिसाल हैं। इसके बावजूद वे डिबेट में पिछड़ गए और अब कह रहे हैं कि फिर हैरिस के साथ डिबेट नहीं करेंगे। ट्रंप के तमाशे यही खत्म नहीं होते हैं। उन्होंने प्रवासियों को लेकरर ऐसी बातें कही हैं, जिसके बारे में किसी ने नहीं सोचा होगा कि राष्ट्रपति रहा कोई व्यक्ति इतने भद्दे आरोप लगाएगा। ट्रंप ने हैती के प्रवासियों पर आरोप लगाया है कि वे अमेरिकी लोगों के पालतू जानवरों यानी कुत्ते, बिल्लियों को मार कर खा रहे हैं। यह मानवीय गरिमा से गिरा हुआ आरोप है। इसके लिए पूरे अमेरिका की हंसी उड़ रही है। कहां तो ट्रंप अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए लडने उतरे हैं और कहां लोगों के पालतू पशुओं की प्रवासियों से रक्षा की बहस में उलझ गए हैं।

(आरएनएस)

नई जनगणना से निर्णायक दस्तावेज तैयार कीजिए

मनु गौड़, जनसंख्या विशेषज्ञ

किसी भी देश के विकास के लिए जनगणना बहुत आवश्यक है। हमारे देश में पहली जनगणना सन् 1872 में प्रारंभ हुई थी और वर्ष 1881 में पहली पूर्ण जनगणना की गई। चूंकि किसी भी वर्ग या समुदाय के लिए नीति-निर्धारण में उसकी वास्तविक जनसंख्या की जानकारी बहुत जरूरी होती है, इसीलिए ब्रिटिश सरकार ने भारत में जनगणना प्रारंभ की थी, जो आजादी के बाद भी जारी रही। आजादी के बाद पहली जनगणना सन् 1951 में की गई और तब से प्रत्येक दस वर्ष के अंतराल पर 2011 तक देश में कुल सात बार जनगणना हुई है। मगर इस क्रम में साल 2021 में होने वाली जनगणना अभी तक नहीं हो सकी है, क्योंकि कोविड महामारी के कारण इसे तब स्थगित किया गया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 'वन नेशन वन इलेक्शन' पर आई कोविंद समिति की रिपोर्ट को हरी झंडी दिखाए जाने पर अब जनगणना होने की उम्मीद बढ़ चली है, क्योंकि विधानसभाओं व लोकसभा के परिसीमन के लिए यह अत्यंत आवश्यक है।

इस समय जातिगत जनगणना के लिए देश में जोर-शोर से आवाज उठाई जा रही है। ब्रिटिश राज में सन् 1931 में जातिगत जनगणना कराई गई थी, जिसे 'फूट डालो और राज करो' की कार्रवाई माना गया था। मगर जातिगत जनगणना अब एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुका है, क्योंकि इसी के आधार पर नि:शुल्क योजनाओं द्वारा वोटों को प्रभावित कर सरकार में आने के रास्ते साफ होते हैं।

बहरहाल, आजादी के बाद हुई सात जनगणनाओं बावजूद हमारे पास आज भी रियल टाइम आंकड़ों का अभाव है और सरकार का हरेक विभाग अपनी योजनाओं के लिए अलग-अलग सर्वे कराता है, पहचान-पत्र जारी करता है, आंकड़े जुटाता है और उन पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करता है। उदाहरण के लिए, यदि सरकार विधवा महिलाओं के लिए कोई योजना लागू करना चाहे, तो उसे किसी भी आंकड़े से यह जानकारी नहीं मिल सकती कि हमारे देश में वर्तमान में कितनी विधवा महिलाएं हैं? जब वास्तविक आंकड़े ही नहीं होंगे, तो प्रभावी नीतियों का निर्माण कैसे संभव है? इस बार के बजट में जनगणना-कार्य के लिए लगभग 1,310 करोड़ रुपये की धन-राशि निर्धारित की गई है। साल 2009 से 2024 के मध्य आधार कार्ड बनाने पर 4,467 करोड़ रुपये की धन-राशि खर्च हुई है। उसी प्रकार, बीपीएल सर्वे, एनएचएफएस सर्वे, बाल गणना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, खाद्य योजना, किसान सम्मान निधि, मतदाता पहचान-पत्र, राशन कार्ड, परिवार रजिस्टर, परिवार पहचान-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, वारिसान प्रमाण-पत्र जैसी योजनाओं व सुविधाओं के सर्वे और लाभार्थियों की पहचान के लिए केंद्र और राज्य सरकारें हजारों करोड़ रुपये खर्च करती हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति का एक केंद्रीय डेटाबेस तैयार किया गया होता, जिसके आधार पर सभी प्रकार की सरकारी सुविधाओं का लाभ मिल पाता, तो प्रत्येक वर्ष सर्वे व लाभार्थी चिह्नीकरण के नाम पर खर्च होने वाले हजारों करोड़ रुपये की बचत होती।

इस बार की जनगणना कराते समय यदि केंद्र सरकार सभी नागरिकों के आधार नंबर से पुष्टि कराती है और इसको पैन, मतदाता पहचान-पत्र, परिवार पहचान-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाण-पत्र, विवाह-तलाक पंजीकरण आदि से भी जोड़ दिया जाता है, तो हमें भविष्य में किसी भी प्रकार के सर्वे या लाभार्थी चिह्नीकरण के लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस तरह, हमारे पास पीढ़ियों तक के हर प्रकार के रियल टाइम आंकड़े उपलब्ध रहेंगे और फर्जी प्रमाण-पत्र बनाकर सुविधाओं के लाभ लेने पर भी रोक लगेगी।

भारत सरकार को इस जनगणना के माध्यम से एक ऐसा नेशनल डेटाबेस तैयार कराना चाहिए, जिसमें सीआरएस पोर्टल के जरिये जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र जारी होने पर संबंधित परिवार की संख्या स्वत: ही घट या बढ़ सके। इस जनगणना के माध्यम से यदि सभी के विवाह एवं तलाक का भी अनिवार्य रूप से पंजीकरण करा लिया जाता है, तो प्रत्येक परिवार से संबंधित हर प्रकार के आंकड़े हमारे पास उपलब्ध रहेंगे। भविष्य में देश के करदाताओं के धन के दुरुपयोग को रोकने और देश की प्रगति को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन दुर्ग एमेच्योर वॉलीबॉल एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक बने

भिलाई। दुर्ग एमेच्योर वॉलीबॉल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने श्री रिकेश सेन से मुलाकात की और उन्हें इस पद की पेशकश की और बहुत ही दयालुता से श्री सेन ने इसे स्वीकार किया ड्ड अंतर्राष्ट्रीय रेफरी, एनआईएस कोच और वीर हनुमान सिंह पुरस्कार विजेता विनोद नायर ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व और खुशी की बात है क्योंकि उनके कुशल मार्गदर्शन और समर्थन से सिर्फ भिलाई दुर्ग का ही नहीं बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ राज्य मे वॉलीबॉल खेल नई ऊंचाइयों को छुएगा। एन.बी.लालसन,मोहम्मद अकरम खान, जी.सुरेश, इंद्रजीत सिंह, सुधीर खंडेलवाल, नईमुद्दीन हनफी,आर.बी.कोरी,और सभी भिलाई दुर्ग वॉलीबॉल अधिकारी, खिलाड़ी और प्रशंसक उत्साहित हैं और रिकेश सेन को बधाई एवं शुभकामनायें दी है। एस.एन.नेमा,निर्मल सिंह, सुशांत डे, राजेंद्र राय, वी.एन.सोनी और विनोद नायर इस अवसर पर उपस्थित थे।

मस्जिद में चलाया स्वच्छ भारत अभियान, कमेटी के लोगों ने की साफ - सफाई

भिलाई। आमदी नगर हुडको की हजरत बिलाल मस्जिद अहले सुन्नत वल जमाअत में रविवार को स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सफाई अभियान चलाया गया। मस्जिद कमेटी के सदर शाहिद अहमद रज्जन ने बताया कि कमेटी ने सभी सदस्यों के लिए हर रविवार को मस्जिद पहुंच कर सफाई अभियान में भाग लेने का नियम बनाया गया है। इस अभियान में रविवार को सचिव नईमुद्दीन,कोषाध्यक्ष अब्दुल हक,वरिष्ठ उपाध्यक्ष अब्दुल जिलानी शाहिद,सदस्य हाशिम खान, अब्दुल रब्बानी, मोहम्मद अकरम,आसिफ मोहम्मद जावेद और रियाज खान सहित सभी सदस्य मौजूद थे। सभी ने मस्जिद परिसर व आसपास सफाई अभियान चलाया।

हल्बा समाज का इतिहास समृद्ध एवं वैभवशालीः ललित चंद्राकर

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने कहा है कि हल्बा-हल्बी समाज का इतिहास अत्यंत समृद्ध और गौरवशाली है। उन्होंने कहा कि हल्बा समाज की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी हैं, इस तरह यह समाज मातृ शक्ति का अनुयायी समाज है। उन्होंने कहा कि हल्बा समाज अत्यंत प्राचीन एवं विस्तृत समाज है। श्री चंद्राकर आज रिसाली आशीष नगर शक्ति भवन में हल्बा आदिवासी समाज द्वारा आयोजित शिक्षक शिक्षिका प्रतिभा सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के आसंदी से सम्बोधित कर रहे थे । इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि दीपक पप्पू चन्द्राकर , वार्ड पार्षद मनीष यादव मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र शिंदे , महामंत्री राजू जंघेल , संस्था के अध्यक्ष मंथीर राम खलेंद्र सी .एल. ठाकुर ,निर्भय राम रावटे ,अर्जुन सिंह तारम व समस्त समाज के गणमान्य जन उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाज के एवं क्षेत्र के अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वरिष्ठ शिक्षक शिक्षिका का सम्मान एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे समाज के नागरिकों का सम्मान किया और सभी को शुभकामनाएं दी। सभा को संबोधित करते हुए दुर्ग ग्रामीण एवं राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर ने कहा माता और पिता अपने बच्चों को संस्कार देते हैं।

छत्तीसगढ़ प्रदेश में भाजपा की सदस्यता का आंकड़ा 17 लाख पंहुचा-अनुराग सिंहदेव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान की समीक्षा और कार्ययोजना बैठक दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में प्रदेश सदस्यता संयोजक अनुराग सिंहदेव की मुख्य उपस्थिति में हुई। बैठक में प्रमुख रूप से दुर्ग जिला संगठन प्रभारी राजीव अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा, छत्तीसगढ़ ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर, विधायक गजेन्द्र यादव, महामंत्री सुरेंद्र कौशिक, सदस्यता अभियान जिला संयोजक राजेन्द्र कुमार पाध्ये, अभियान जिला सदस्य रोहित साहू, उषा टावरी, डॉ. मानसी गुलाटी, प्रदेश कार्य समिति सदस्य चंद्रिका चंद्राकर, पूर्व विधायक बालमुकुन्द देवांगन, भाजपा नेता प्रीतपाल बेलचंदन उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक में उपस्थित नेताओं के द्वारा मार्गदर्शन प्रदान करते हुए चल रहे सदस्यता अभियान की बारीकी से समीक्षा की गई और आगामी तीनों सदस्यता अभियान के टास्क को पूर्ण करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

इस अवसर पर सदस्यता अभियान प्रदेश संयोजक अनुराग सिंहदेव ने कहा कि 2014 के डिजिटल सदस्यता अभियान में छत्तीसगढ़ में 22 लाख सदस्य बने थे जिसमे 6 माह का समय लगा था, और इस बार पार्टी ने प्रत्येक नए सदस्य का विस्तृत डाटा लेने के साथ सदस्यता अभियान को शुरुआत की है। सिर्फ 17 दिनों के अंदर हम लोगों ने 17 लाख की सदस्यता प्रदेश में बना ली है। बारिश में लगातार मौसम की मार को झेलते हुए भी पूरी गति के साथ सक्रियता अभियान चल रहा है, सुदूर बस्तर और सरगुजा क्षेत्र में भी सदस्यता अभियान बेहद गंभीरता से चलाया जा रहा है। आगामी 25 सितंबर पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती को सदस्यता के लिए विशेष दिन घोषित करते हुए मोर बूथ मोर अभियान के नाम से उस दिन प्रत्येक बूथ पर आवश्यक रूप से 100 सदस्य बनाना तय किया गया है। हर जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नेता के साथ-साथ और समस्त कार्यकर्ताओं का बूथ के प्रवास पर रहेंगे। आज जो सदस्य बना है वह पार्टी के विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी का कार्यकर्ता बनेगा और निश्चित तौर पर हमें बड़ी जीत आगामी हर चुनाव में मिलेगी।

भाजपा जिला अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा ने संगठनात्मक समीक्षा करते हुए सदस्यता अभियान की मंगलवार जानकारी ली और कहा कि जो पूर्व में सक्रिय सदस्य उन्हें 75 सदस्य बनना है और नए सक्रिय सदस्य बनने के लिए 50 लोगों को सदस्य बनना है, भाजपा में आगे राजनीति करने के इच्छुक हर कार्यकर्ता को ये टास्क हर हालत में पूर्ण करना है, इसके लिए किसी भी बड़े नेता की सिफारिश स्वीकार नहीं की जाएगी।

छत्तीसगढ़ ग्रामीण विकास एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र प्राधिकरण के उपाध्यक्ष दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने संबोधित करते हुए कहा कि दुर्ग जिले में टारगेट जो हमें मिला है उसे हम सभी को मिलकर प्राप्त करना है और मुझे पूर्ण यकीन है कि कार्यकर्ता इस लक्ष्य को हासिल करने में अपनी पूरी ऊर्जा लगाएंगे। मुझ जैसे छोटे से कार्यकर्ताओं को प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा जो नवीन दायित्व दिया गया यह प्रमाण है कि भाजपा हर कार्यकर्ता के कार्यकर्ता के काम का मूल्यांकन करती है। मैं कल भी कार्यकर्ता था और आगे भी पार्टी के कार्यकर्ता के रूप में कार्य करूंगा। दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने कहा कि सदस्यता अभियान एक चुनौती के रूप में आप सभी लें क्योंकि पूर्व में आप सभी ने लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव की चुनौती को पूर्ण करते हुए एक ऐतिहासिक जीत प्राप्त की अब फिर से एक समय आया है हम सभी को सदस्यता अभियान को शत प्रतिशत सफल बनाना है और मुझे पूर्ण भरोसा है आप इसमें सफल होंगे क्योंकि पार्टी का जितना विस्तार होगा जितने सदस्य बनेंगे पार्टी उतने ही शीर्ष की ओर आगे बढ़ेगी।

तहसील स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव आज दुर्ग जिले के ग्राम बोराई में स्व. दाऊ उत्तम साव की पुण्यतिथि के संस्मरण में आयोजित तहसील स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत किये। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अपने अमेरिका यात्रा वृतांत से अवगत कराया कि साहू समाज के नवयुवक अपने प्रतिभा से वहाँ समाज को गौरान्वित कर रहे है। उन्होंने कहा कि समाज और देश को अपने पूर्वज के बताए मार्ग पर चल कर आगे बढ़ना चाहिए। आयोजकों ने पुरखा के बताए मार्ग को नई पीढ़ी को बताने का बेहतर कार्य किये है। समाज को समय के साथ परिवर्तन करना चाहिए। जो समाज समय के साथ चलेगा विकास में वो आगे रहेगा। उन्होंने कहा कि साहू समाज सभी समाज को साथ लेकर आगे चलने वाला समाज है। हम सभी को संगठित प्रयास से अपने पुरखों के सपनों को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा बहुत से मांगे रखी गई है, समाज की मांग को क्रमशः पूरा करने का भरोसा दिलाया।

मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री श्री साव ने समाज के कला, शिक्षा, संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों को अपने कर कमलों से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह को पूर्व मंत्री श्री जागेश्वर साहू, श्रीमती रमशीला साहू ने भी सम्बोधित किया। श्री जगमोहन साहू ने समाज रत्न स्व. दाऊ उत्तम साव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला।

अभिव्यक्ति की उड़ान' 29 को, गैर स्कूली दिव्यांग बच्चों को भी शामिल होने का मौका

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सामाजिक संस्थान गोल्डन एंपथी (जीई) फाउंडेशन की ओर से अंचल के दिव्यांग बच्चों को सांस्कृतिक मंच प्रदान करने 'अभिव्यक्ति की उड़ान' का वार्षिक आयोजन रविवार 29 सितंबर को कला मंदिर, सिविक सेंटर में शाम 4 बजे से रखा गया है।

जीई फाउंडेशन की ओर से प्रदीप पिल्लई ने बताया कि जिसमें अब तक विभिन्न जिलों के 12 विशेष स्कूलों ने अपनी सहभागिता हेतु सहमति दे दी है। आयोजन में प्रस्तुति के लिए दिव्यांग बच्चों के अन्य स्कूल भी शामिल होंगे। प्रदीप पिल्लई ने बताया कि आयोजन में ऐसे दिव्यांग बच्चे भी भाग ले सकते हैं जो विशेष स्कूल नहीं जा रहे हों और घर में हों या फिर सामान्य स्कूलों में भी पढ़ रहे हों।

उन्होंने ऐसे बच्चों के पालको से अपील की है कि इन्हें अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन करने 'अभिव्यक्ति की उड़ान' में भागीदारी के लिए जरूर लेकर आएं। हर बार की तरह इस बार भी छत्तीसगढ़ शासन, दुर्ग जिला प्रशासन, भिलाई स्टील प्लांट प्रबंधन, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सशस्त्र सीमा बल सहित विभिन्न संस्थानों की इस आयोजन में भागीदारी रहेगी। उन्होंने बताया कि आयोजन की तैयारी अंतिम स्तर पर चल रही है।

सेक्टर-6 सोसाइटी ने कमाया 2 करोड़ से ज्यादा का शुद्ध लाभ

61 वीं वार्षिक आमसभा में सर्वसम्मति से बजट का अनुमोदन,कई विषयों पर लिया गया फैसला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्मिकों की सबसे पुरानी एवं प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-6 भिलाई नगर की 61 वीं वार्षिक आम सभा रविवार को सुबह 10:30 बजे से परशुराम भवन सेक्टर-2 में रखी गई। सोसाइटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने संस्था की उपलब्धियों एवं वित्तीय स्थिति के बारे में अपने वार्षिक प्रतिवेदन में संस्था के सदस्यों को अवगत कराया। इस पर संस्था के सदस्यों ने संस्था की वित्तीय स्थिति पर हर्ष व्यक्त किया।

आमसभा में वार्षिक प्रतिवेदन के अलावा अंकेक्षित वित्तीय पत्रक वर्ष 2023-24 का अनुमोदन,वर्ष 2025-26 के प्रस्तावित बजट का अनुमोदन एवं वर्ष 2023-24 के अनुपूरक बजट का अनुमोदन,व वर्ष 2023-24 का देय लाभांश का भी अनुमोदन किया गया।

अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने आमसभा को बताया कि वर्ष 2023-24 का सकल लाभ 5 करोड़ 57 लाख 37 हजार 733 रुपए 60 पैसे और शुद्ध लाभ 2 करोड़, 8 लाख, 6 हजार 894 रूपए रहा जो गत वित्त वर्ष (2022-23) की तुलना में लगभग 30 लाख रुपए अधिक है.। संस्था के वर्तमान संचालक मंडल के सम्मिलित प्रयासों से गिरती सदस्य संख्या के बावजूद भी संस्था ने वित्त वर्ष 2023-24 में अपने व्यवसाय में उल्लेखनीय वृद्धि की है और सदस्यों का विश्वास बढ़ा है। वर्तमान में आकस्मिक ऋण की अधिकतम सीमा 3 लाख और नियमित ऋण की अधिकतम सीमा 10 लाख है। 5 लाख तक नियमित ऋण लेने पर बीमा पॉलिसी को मोर्टगेज करने के पूर्व ऋण नियम को समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने आमसभा के समक्ष 9 प्रतिशत लाभांश देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि कुटुम्ब सहायता योजना के अंतर्गत 465 प्रकरणों में 42 लाख 26 हजार रुपए प्रदान किए गए। अध्यक्ष मिश्र ने बताया कि सोसाइटी में वर्तमान में वित्त वर्ष 2023-24 की समाप्ति पर कुल 33 हजार 198 सदस्य हैं, जिनमें 31 हजार 201 सदस्य कुटुम्ब सहायक योजना के अंतर्गत शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में बीएसपी के 65 नए कर्मी सदस्य बने हैं।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ाः स्वच्छ साइक्लोथान एवं मैराथन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम ने रविवार को मैराथन का आयोजन किया। रविशंकर स्टेडियम से पटेल चौक होते हुए सिविल लाइन से गुजरकर वापस रविशंकर स्टेडियम में समापन किया गया।

सुबह 8 बजे शुरू हुए दौड़ में स्कूली बच्चों सहित बड़ी संख्या में नागरिकों ने हिस्सा लिया। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मार्गदर्शन में स्वच्छ साइक्लोथान एवं स्वच्छ मैराथन दौड़ का आयोजन किया।

निगम के द्वारा कराए गए मैराथन में निगम क्षेत्र के बच्चो के संग लोगों ने दौड़ लगाई। एक किलोमीटर के दौड़ में शहर को स्वच्छ बनाने के नारे भी लगाए गए। दौड़ के पहले निगम आयुक्त द्वारा मैराथन को हरी झंडी स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा,पीआईयू कुनाल, राहुल स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर विश्वनाथ पाणिग्रही,शिवाकांत तिवारी की मौजूदगी में शुभारंभ कर रवाना किया गया।

कार्यक्रम के दौरान आत्मानंद स्कूल तितुरडीह, शासकीय स्कूल बोरसी, खालसा स्कूल, शासकीय स्कूल पुलगांव, विज्ञान विकास केंद्र छात्रावास आदि स्कूल एवम कॉलेज के छात्र छात्राएं सम्मिलित हुए।जिसमे राज गुप्ता,पियांशू साहू ,सौरभ बंजारे छात्रों द्वारा रैली में स्वच्छता का नारा लगाकर मनोबल बढ़ाया गया। शपथ के साथ लोगो को स्वच्छ रखने पहले हस्ताक्षर कराया गया।इसी बोर्ड पर नागरिक व स्कूली बच्चों ने भी हस्ताक्षर कर स्वच्छता अभियान से जुड़े।साइकिल रैली एवं मैराथन दौड़ में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को नगर पालिक निगम द्वारा 2 अक्टूबर के कार्यक्रम में सम्मानित करेगा। श्रमदान

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत रविवार को श्रमदान कार्यक्रम रखा गया।स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2024 के अंतर्गत सामुदायिक एवं सार्वजनिक शौचालय सफाई अभियान अंतर्गत निकाय में स्थित विभिन्न शौचालयों में जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छता श्रमदान किया गया।

रिटायर्ड पुलिस अफसरों ने संगठन का स्थापना दिवस मनाया, सदस्यता व कार्यक्षेत्र बढ़ाने पर हुआ विचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश सेवानिवृत पुलिस अधिकारी कल्याण एसोसिएशन का स्थापना दिवस समारोह एसोसिएशन के कार्यालय सेक्टर 7 में मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने अब तक के कार्यकाल पर चर्चा करते हुए हर्ष व्यक्त किया और भावी रूपरेखा की योजना बनाई गई।

एसोसिएशन के अध्यक्ष सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बीबीएस ठाकुर ने स्थापना दिवस की समस्त सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि आगामी समय में एसोसिएशन के सेवानिवृत्ति सदस्यों के वेलफेयर के संबंध में रूपरेखा तय की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों के नवीनीकरण भी किया गया आगामी कार्यक्रमों की संबंध में सर्वसम्मति से विचार विमर्श किया गया। नवंबर माह में एसोसिएशन का दीपावली मिलन समारोह आयोजित किए जाने पर भी विचार विमर्श किया गया। एसोसिएशन की सदस्यता, कार्य क्षेत्र बढ़ाने पर विचार विमर्श किया गया। एसोसिएशन का दायरा और कैसे बढ़ाया जाए इस पर संरक्षक आरपी शर्मा ने अपनी बात रखी। स्थापना स्थापना दिवस के अवसर पर संगठन के कार्यालय में उपस्थित अन्य वरिष्ठ सदस्यों ने भी संगठन के बेहतरीन के संबंध में अपने सुझाव विस्तार से दिया। इस अवसर पर एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य वीएस दवे महासचिव दिग्विजय सिंह परिहार, भारत भूषण शर्मा, श्रीकांत द्विवेदी, संतोष सिंह गौर, अजीत कुमार यादव, पीसी श्रीवास्तव, नीलकंठ साहू, महेश सिन्हा, जीसी पति, राजेंद्र प्रसाद शर्मा, डीएन पांडेय, सुरेश चंद्र तिवारी, लल्लन सिंह, उमेश अवस्थी सहित संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

सात सूत्रीय मांग को लेकर बसपा निकलेगी आत्मसम्मान व स्वाभिमान जगाओ यात्रा पर

रायपुर। सात सूत्रीय मांगों को लेकर बहुजन समाज पार्टी 24 सितंबर से सोना खान-गिरौधपुरी से जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण बचाओं, आत्मसम्मान व स्वाभिमान जगाओं यात्रा पर निकलने वाली है। जिसका समापन 9 अक्टूबर को रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम भवन में संपन्न होगा। जहां उत्तर प्रदेश से राज्यसभा के सांसद व बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर व पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामजी गौतम मुख्य अतिथि के रुप में शामिल होंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रुप में केंद्रीय स्टेट कॉर्डिनेटर व प्रदेश प्रभारी एड.एन.पी. अहिरवार, दाऊराम रत्नाकर व प्रदेश अध्यक्ष श्याम टंडन उपस्थित रहेंगे।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष श्याम टंडन, दाऊ रत्नाकर, संतोष मार्कण्डे, सूरज तांडी ने बताया कि यात्रा की शुरुआज सुबह 10 बजे सोना खान गिरौधपुरी से बाबा घासीदास के जैतखंभ को नमन करते हुए निकलेगी जो 15 दिनों तक छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में जाएगी जहां लोगों को आत्मसम्मान व उनके स्वाभिमान की जानकारी देते हुए लोगों को जागरुक किया जाएगा। श्याम टंडन ने बताया कि 10 जून को बलौदाबाजार में जो घटना घटित हुई जिसमें निर्दोष सतनामी समाज के लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेज दिया है उनकी नि:शर्त रिहाई किया जाएगा साथ ही हसदेव अरण्य में कटाई पर रोक एवं पूरे प्रदेश में नक्सलियों के नाम पर आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय पूर्वक अत्याचार व शोषण को बंद किया जाएगा। कबीरधाम के लोहारीडीह की घटना अतिनिंदनीय है राज्य सरकार वहां तत्काल शांति बहाल करें।

छत्तीसगढ़ में 1000 पदों पर भर्ती का मौका दे रही सरकार

रायपुर। सरकारी नौकरी की चाहत रखने वाले बेरोजगारों को छत्तीसगढ़ सरकार बड़ा मौका दे रही है। 1000 से ज्यादा पदों पर भर्ती करने जा रही है। यह भर्ती पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और पंचायत विभाग के अलग-अलग पदों पर होगी। बीते 9 दिनों में प्रदेश सरकार ने 1068 पदों पर भर्ती को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने इसे लेकर कहा है कि इन नियुक्तियों से सरकार की योजनाओं को और भी प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारा जा सकेगा। इन नौकरियों के अवसर मिलने से युवाओं के सपनों को नई उड़ान मिलेगी, युवाओं का भविष्य संवारने में हमारी सरकार काम कर रही है। इन पदों पर भर्ती के लिए जल्द ही सरकारी विज्ञापन जारी किए जाएंगे। यह विज्ञापन व्यवसायिक प्रशिक्षण मंडल और जिला कलेक्टर दफ्तर से जारी होंगे। कुछ पदों पर भर्ती परीक्षा होगी। बाकी के पदों पर संबंधित विभाग जिला कलेक्टर के जरिए आवेदन मंगाएगा। व्यापमं और जिला कलेक्टर की वेबसाइट पर इन पदों के क्वालिफिकेशन और वेतन से जुड़ी बाकी जानकारी भी जल्द आ सकती है।

निर्यात व निर्यात ऋण बीमा में ईसीजीसी की भूमिका पर हुई चर्चा

ईईपीसी इंडिया, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज व उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि 19 सितम्बर 2024 को चेंबर भवन में ईईपीसी इंडिया, छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एवं उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में नए बाजार की पहचान और निर्यात के अवसरों की खोज के साथ निर्यातकों को सशक्त बनाने निर्यात जागरूकता सत्र का आयोजन संम्पन्न हुआ जिसमे सुश्री स्नेहल ढोके, आईटीएस, सहायक डीजीएफटी, नागपुर, राहुल मारोठे, कार्यकारी अधिकारी, ईसीजीसी लिमिटेड, श्रीमती जया बासु क्षेत्रीय निदिशक, ईईपीसी इंडिया एवं कौशिक भट्टाचार्जी, सहायक निदेशक, ईईपीसी इंडिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इंजीनियरिंग निर्यात का दायरा बढ़ाने, निर्यात के बुनियादी सिद्धांतों, निर्यात दस्तावेज, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अवसर, उत्पाद बाजार की पहचान, खरीदारों की पहचान करने के लिए तंत्र, ईईपीसी भारत के माध्यम से प्रदर्शनियों / बीएसएम / आरबीएसएम में व्यापार के अवसर, विदेश व्यापार नीति के तहत उपलब्ध निर्यात प्रोत्साहन, प्रचार में विभिन्न सरकारी एजेंसियों की भूमिका पर अवलोकन छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के साथ ईईपीसी इंडिया के संयुक्त सत्र में निर्यात और निर्यात ऋण बीमा में ईसीजीसी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।

चेंबर कार्यकारी अध्यक्ष श्री विक्रम सिंह देव ने इंजीनियरिंग क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्यात पर इस तरह के जागरूकता सत्र आयोजित करने के लिए ईईपीसी इंडिया की पहल की सराहना की और छत्तीसगढ़ में अक्सर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करते रहने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, रायपुर, भिलाई, बिलासपुर और दुर्ग क्षेत्र में कई इंजीनियरिंग इकाइयाँ हैं जिनमें उच्च निर्यात क्षमता है और इस दिशा में पहला कदम उठाने के लिए उन्हें सहयोग की आवश्यकता है।

उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन अध्यक्ष, अश्विन गर्ग ने कहा कि स्थानीय एमएसएमई को निर्यात के अवसरों के बारे में शिक्षित करने और 'जिला निर्यात' के तहत छत्तीसगढ़ के संभावित जिलों से इंजीनियरिंग निर्यात प्रदर्शन में उत्कृष्टता लाने के लिए इस तरह के निर्यात जागरूकता सत्र की आवश्यकता है। ईईपीसी इंडिया भारत सरकार की पहल के अनुरूप अपनी स्थापना के बाद से ही भारत से इंजीनियरिंग निर्यात को बढ़ावा देने के लिए तत्पर रहा है और हमें इंजीनियरिंग निर्यात को अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंचने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर गर्व है।

ईईपीसी इंडिया की क्षेत्रीय निदेशक (ईआर) सुश्री जया बसु ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 में 112.10 बिलियन का राजस्व अर्जित हुआ। उन्होंने कहा कि ईईपीसी इंडिया भारत के प्रत्येक जिले को इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यात केंद्र में बदलने के लिए सरकार के साथ काम कर रही है। साथ ही ईईपीसी इंडिया के प्रमुख कार्यक्रम इंटरनेशनल इंजीनियरिंग सोर्सिंग शो (आईईएसएस) के बारे में बात की, जो भारत को स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में बढ़ावा देने के लिए एक वैश्विक मंच है जो इंजीनियरिंग क्षेत्र में व्यापार और निवेश के अलावा, आईईएसएस अनुसंधान एवं विकास, नवाचार, नए उत्पाद विकास, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण आदि को बढ़ावा देने के लिए एक आदर्श मंच के रूप में भी कार्य करता है। श्रीमती बासु ने यह भी बताया कि इंटरनेशनल इंजीनियरिंग सोर्सिंग शो (आईईएसएस) के 12वें संस्करण का आयोजन 27 से 29 नवंबर चेन्नई ट्रेड सेंटर, चेन्नई में निर्धारित है।

सुश्री स्नेहल ढोके, आईटीएस, सहायक डीजीएफटी, नागपुर ने कहा कि वैश्विक व्यापार पैटर्न फिर से व्यवस्थित हो रहे हैं और यह भारत के लिए वैश्विक व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का सबसे अच्छा समय है। सरकार ने उत्पादन क्षमता बढ़ाने, निर्यात को बढ़ावा देने और लॉजिस्टिक्स को कम करने के लिए कई उपाय किए हैं। इस अवसर पर चेंबर कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव मनमोहन अग्रवाल, मंत्री राजेंद्र खटवानी, दिलीप इसरानी, उद्योग चेंबर एवं उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन अध्यक्ष अश्विन गर्ग, कार्यकारिणी सदस्य- रमेश ठक्कर, सतीश श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में व्यापारीगण उपस्थित रहे।

जीवन में आनंद व खुशियां अपने हाथ में हैः राज्यपाल

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के कार्यक्रम में शामिल हुए राज्यपाल रमेन डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका रविवार को तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम रायपुर द्वारा 'गुड लाइफ-गुड लक' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जीवन में आनंद और खुशियां अपने हाथ में है। कम सुविधाओं में भी खुश रहा जा सकता है। समय का प्रबंधन भी बहुत जरूरी है।

राज्यपाल रमेन डेका ने मुनि सुधाकर एवं मुनि नरेश कुमार के सानिध्य में अनुभव एवं ज्योतिष शास्त्र पर आधारित विशेष प्रवचन कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए कहा कि दुनिया एक मंच है जिसमें सभी की भूमिकाएं निर्धारित है। जिसको निभाना है ।समाज के बारे में भी हमें सोचना है। समाज ने हमको क्या दिया यह न सोचकर हम समाज को क्या दे रहे है यह सोचें।

राज्यपाल डेका ने कहा कि हमे पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण के बारे में भी जागरूक होना है। जल की बरबादी रोकें और वाटर हार्वेस्टिंग व्यवस्था को बढ़ावा दे। जनसंख्या और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। वर्तमान युग में सादा जीवन बहुत मुश्किल है। हमारे लिए धन केवल उतना ही जरूरी है जितना खान-पान, बीमारी, अतिथि सत्कार के लिए जरूरत है। अनावश्यक प्रतिस्पर्धा से बचना होगा। आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल सही तरीके से हो इस पर ध्यान देना है। उन्होंने मोबाइल के ज्यादा उपयोग को नुकसानदायक बताया।

उन्होंने कहा कि आज के समय में, जब हम डिजिटल युग में रह रहे हैं, हमें अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। सोशल मीडिया, अत्यधिक प्रतिस्पर्धा, और बदलते सामाजिक मूल्यों के बीच सही दिशा में आगे बढ़ना ही हमारी सफलता का रहस्य है। हमें नई तकनीकों और साधनों का सदुपयोग करते हुए अपनी प्रतिभा और कौशल को विकसित करना चाहिए। इसके साथ ही, हमें यह याद रखना चाहिए कि जीवन का असली सौंदर्य हमारे नैतिक मूल्यों और आत्म-संतोष में है। राज्यपाल ने कहा कि ''गुड लाइफ' एक यात्रा है, न कि गंतव्य। यह हमारे विचारों, कर्मों और रिश्तों का समन्वय है।''गुड लक'' हमारा साथी तब बनता है जब हम इस यात्रा में ईमानदारी, समर्पण, और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हैं। इसलिए, हमेशा अच्छे कर्म करें, सही दिशा में आगे बढ़ें, और आपका सौभाग्य स्वयं आपके साथ होगा। इस अवसर पर आचार्य सुधाकर मुनि ने भी जीवन से जुड़े अपने विचार रखे। कार्यक्रम में तेरापंथ फेरम के पदाधिकारी एवं जैन समुदाय की महिलाएं एवं पुरूष बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

जैविक खेती से करें मिट्टी का श्रृंगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आज के आधुनिक दौर में खेती किसानी के काम को उतना महत्व नहीं दिया जाता है, जितना की सरकारी या किसी अन्य नौकरी को दिया जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के साथ-साथ समर्थन मूल्य पर धान खरीदी ने लोगों को खेती किसानी की ओर मुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया है। प्रगतिशील किसान रमनलाल साहू ने परम्परागत खेती को पीछे छोड़ आधुनिक खेती को अपनाया है। जैविक खेती को बढ़ावा देते हुए मृदा, जल एवं पर्यवरण संरक्षण की दिशा में भी सराहनीय काम किया है। साहू बताते हैं कि विगत 8 सालों से वह 3 एकड़ से अधिक जमीन पर धान की जैविक खेती कर रहे हैं। जल संरक्षण की दिशा में रबी फसल में दलहन-तिलहन की खेती कर रहे हैं। इससे जमीन की उर्वरकता बढ़ने के साथ ही फसल का उत्पादन भी बढ़ा है।

साहू बताते है कि किसान होने के साथ-साथ वह पशु मित्र भी है, उन्होंने गली-मोहल्लों में आवारा घूमने वाले गौवंश के लिए अपने खेत के समीप लगभग 25 डिस्मिल क्षेत्र में गौठान तैयार कर उनका संरक्षण कर रहे है। इन गौवंशो से प्राप्त होने वाले गोबर का उपयोग जैविक खेती करने में कर रहे हैं। वहीं दूध बेचकर हर माह 9 हजार रूपये की शुद्ध आमदनी भी प्राप्त कर रहे हैं। साहू ने यह भी बताया कि उन्होंने खेत में छोटा सा तालाब बनाया है, जिससे गौवंश के लिए पानी की व्यवस्था की है, वहीं क्रेडा की ओर से सोलर पैनल भी लगवाया है। इसके साथ ही गोबर गैस संयंत्र लगाकर गौवंश के लिए चारा की व्यवस्था करते हैं।

रमनलाल साहू रासायनिक खेती के दुष्परिणामों के बारे में अन्य किसानों को अवगत कराते हुए जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। साथ ही अपने गौशाला से उत्पादित गोबर, गौ मूत्र को अपने खेतों में उपयोग करते हुए जहरमुक्त अन्न की पैदावार कर उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की व्यवस्था कर रहे हैं।

संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन का रक्तदान शिविर, 157 लोगों ने किया ब्लड डोनेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निरंकारी बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के कथन मानव का रक्त नालियों में नही, मानव की रगों में बहना चाहिए। इस कथन को चरितार्थ करते हुए व मानव सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करते हुए संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेशन जामुल द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह रक्तदान शिविर मंगल भवन जामुल भिलाई में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व पालिका अध्यक्ष रेखराम बंछोर ने फीता खोलकर रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। जामुल में दूसरी बार आयोजित रक्तदान शिविर में कुल 157 रक्तदान किया गया।जिसमें महिलाओं ने 36 यूनिट और पुरषो ने 121 यूनिट रक्तदान किया।

सुबह से ही रक्तदाताओं की भीड़ लगी रही। कुल 198 लोगो ने रक्तदान के लिए पंजीयन कराया। हीमोग्लोबिन की कमी व अन्य कारणों की वजह से 41 लोगों को रक्तदान के लिए अयोग्य घोषित किया गया। जोनल इंचार्ज गुरुबख्श कालरा, ब्रांच संयोजक श्री सतपाल सैनी, श्री इंदर जीत निरंकारी ,जामुल ब्रांच मुखी श्री पंचराम साहू, प्रशांत गुप्ता(महामंत्री जामुल मंडल,भाजपा) व ओमप्रकाश साहू विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

दुर्ग ब्लड सेंटर जिला अस्पताल दुर्ग प्रभारी डॉ प्रवीण अग्रवाल जी के सानिध्य में केम्प प्रभारी डॉ पीयूश श्रीवास्तव की देखरेख में प्रभारी,रूपेश सरपे सुपरवाइजर, लैब टेक्नीशियन रोशन सिंह, दिनेश, कुसुम चंद्राकर, महेश, कृष्णकांत, ओमप्रकाश, स्टाफनर्स तरुणा,काउंसलर टी एस एंथोनी,चित्रलेखा पैरा मेडिकल स्टाफ नम्रता, प्राची, यशवंत, गोवर्धन, मनोज ने रक्तदान शिविर में अपना सहयोग दिया।

रक्तदान शिविर के साथ साथ सत्संग का भी आयोजन किया गया था।सर्व साध संगत को संबोधित करते हुए जोनल इंचार्ज गुरुबक्ष कालरा जी फरमाया। संत हर इंसान के अंदर हरि का रूप देखते है। समदृष्टि ,सम भाव से हर मानव में ईश्वर स्वरूप देखते है। आज रक्तदान शिविर के माध्यम से दुनिया को संदेश दे रहे है कि निरंकारी मिशन देने वाला मिशन है। रक्त देता है,सफाई देता है,वृक्षारोपण करके ऑक्सीजन देने का कार्य करता है ।निरंकारी मंडल द्वारा अब तक 15 लाख यूनिट रक्तदान किया जा चुका है।

रक्त किसी फैक्टरी में नही बनता है अगर रक्त की फैक्टरियां होती तो उसमें भी मिलावट होती। संतो द्वारा दिया गया रक्तदान दुसरो में संत गुण देता है।संत का जीवन परोपकार के लिए होता है। ठीक उस तरह जिस तरह एक पेड़ ऊपर गर्मी बर्दास्तरता है लेकिन नीचे खड़े राहगीर को ठंडक देता है। ज्ञात हो कि मानव एकता दिवस के दिन से रक्तदान की श्रृंखला प्रारम्भ होती है इसी कड़ी में आज यह शिविर जामुल में आयोजित किया गया था। यह जानकारी शंकर सचदेव ने दी।

छत्तीसगढ़ में अब तक 1105.1 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 1105.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 23 सितम्बर सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2320.1 मिमी और बेमेतरा जिले में सबसे कम 575.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा जिले में 591.3 मिमी, सूरजपुर में 1082.9 मिमी, बलरामपुर में 1627.8 मिमी, जशपुर में 941.2 मिमी, कोरिया में 1065.8 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 1054.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। इसी प्रकार, रायपुर जिले में 917.6 मिमी, बलौदाबाजार में 1142.9 मिमी, गरियाबंद में 1040.0 मिमी, महासमुंद में 873.5 मिमी, धमतरी में 990.2 मिमी, बिलासपुर में 950.5 मिमी, मुंगेली में 1068.9 मिमी, रायगढ़ में 997.4 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 636.5 मिमी, जांजगीर-चांपा में 1164.5 मिमी, सक्ती 984.9 मिमी, कोरबा में 1340.2 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 1134.9 मिमी, दुर्ग में 636.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 860.2 मिमी, राजनांदगांव में 1090.7 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1199.1 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 820.5 मिमी, बालोद में 1147.1 मिमी, बस्तर में 1229.2 मिमी, कोण्डागांव में 1122.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

फुटबॉल टूर्नामेंट में बीएसपी ब्लू बनी चैंपियन फाइनल में बीएसएफ को 2-1 से हराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सीमांत मुख्यालय (विशेष-संक्रिया) सीमा सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ द्वारा इस वर्ष अपना 15वां स्थापना दिवस मनाया रहा है। सीमांत मुख्यालय के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आईजी आनंद प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में फुटबॉल टूर्नामेंट का भी आयोजन किया गया। रविवार को तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच मैत्री पार्क फुटबॉल मैदान, मरोदा सेक्टर में खेला गया। इस मैच में बीएसपी ब्लू की टीम ने बीएसएफ को 2-1 से हराकर विजेता का खिताब जीता।

मैच के दौरान सतीश एस खंडारे, आईपीएस, एडीजी, बीएसएफ कमांड मुख्यालय रायपुर मुख्य अतिथि थे। बीएसएफ और बीएसपी ब्लू की टीम के मध्य हुए फाइनल मुकाबले में बीएसपी ब्लू की टीम द्वारा अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए फाइनल मैच को 2-1 से जीत लिया। इसी प्रकार महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले में एमजीएम एंबुश की टीम ने यूनिवर्स फुटबाल क्लब को 1-0 से हराया। मैच समाप्ति के उपरांत मुख्य अतिथि सतीश एस खंडारे, आईपीएस, एडीजी, बीएसएफ कमांड मुख्यालय रायपुर ने विजेता टीमों को ट्राफी प्रदान की। फुटबाल मैच के दौरान सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, अन्य कार्मिक सहित ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के कार्यकारी समिति सदस्य मोहन लाल, नगर पालिक निगम, रिसाली के सभापति केशव बंछोर, पार्षद समीर साहू और फुटबॉल खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

अल्लू अर्जुन और एनटीआर ने आय में मेरे अभिनय की सराहना की: नयन सारिका

नयन सारिका फिलहाल आय की सफ़लता का लुत्फ़ उठा रही हैं। वह इस बात से रोमांचित हैं कि उनकी भूमिका पल्लवी ने दर्शकों को प्रभावित किया है। अभिनेत्री ने तेलुगु दर्शकों के प्रति अपना प्यार बरसाने के लिए आभार व्यक्त किया। तेलुगु दर्शकों द्वारा इतना प्यार बरसाना देखकर बहुत अच्छा लगा। मैं उनकी बहुत आभारी हूँ और टॉलीवुड में इससे बेहतर शुरुआत की उम्मीद नहीं कर सकती। यह सफ़लता एक सामूहिक प्रयास का नतीजा है, यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मायने रखती है। नयन सारिका ने कहा मैं प्रतिष्ठित गीता आर्ट्स और निर्देशक अंजी सर को फ़िल्म का हिस्सा बनने का अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूँ.

नयन हमेशा से ही अभिनेत्री बनना चाहती थीं; वह अपने स्कूल और कॉलेज के दौरान नाटकों में सक्रिय थीं। जब उन्हें आय में भूमिका के लिए संपर्क किया गया, तो वह अभिनेत्री बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए उत्साहित थीं। अभिनेत्री ने कहा, नार्ने नितिन और मैंने तैयारी के हिस्से के रूप में शूटिंग से पहले कुछ कार्यशालाएँ और अभ्यास किए हैं। मैंने अपनी तेलुगु के लिए भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है, और मेरे कर्मचारियों ने भी मेरी पंक्तियों को सही ढंग से बोलने में मेरी मदद की है। बहुत कम उम्र में अपना करियर शुरू करने वाली नयन अपनी शिक्षा से समझौता नहीं करना चाहती थीं। उन्होंने हमेशा अपनी डिग्री समय पर पूरी करने को प्राथमिकता दी। वास्तव में, उन्होंने आय की शूटिंग के साथ-साथ अपनी अंतिम परीक्षाएँ भी दी। मैं फ़िल्म सेट पर किताबें और अध्ययन सामग्री ले जाती थी। जब मैं आय की शूटिंग कर रही थी, तब मैं अपने अंतिम वर्ष की परीक्षाएँ दे रही थी, इसलिए मैंने एक कारवां में पढ़ाई की, पढ़ाई और फ़िल्मों के बीच संतुलन बनाना वाकई चुनौतीपूर्ण था, वह याद करती हैं।

आय की सफलता के एक हिस्से के रूप में, नयन (फिल्म की टीम के साथ) हाल ही में सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और जूनियर एनटीआर से मिले। दोनों सितारों ने सफलता पर टीम को बधाई दी, और उनकी तारीफ भी की। जूनियर एनटीआर सर ने कहा कि मैंने अपने किरदार को सहजता से निभाया, और अल्लू अर्जुन सर ने कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि मैं दक्षिण भारतीय नहीं हूँ। अल्लू अरविंद सर ने भी कहा कि मेरी आँखें अभिव्यंजक हैं। नयन सारिका ने इतने बड़े सितारों से तारीफ मिलना एक बड़ी मान्यता है।

अक्टूबर में बॉक्स ऑफिस पर आएगी एक्शन की आंधी

एक्शन फिल्मों के फैन हैं? तो कुर्सी की पेटी बांध लीजिए। क्योंकि अगले महीने आपके लिए एक दो नहीं बल्कि कई ऐसी ऐक्शन फिल्में रिलीज होने वाली हैं जो आपको रोमांच से भर देंगी।

अगले महीने रिलीज होने वाली हैं ये दमदार फिल्में

अक्टूबर महीने में आपको एक दो नहीं बल्कि कई एक्शन फिल्में देखने को मिलेंगी। 'सिंघम अगेन' और 'बेबी जॉन' जैसी फिल्मों का तो फैंस को बेसब्री से इंतजार है ही, लेकिन इसके अलावा भी साउथ की कुछ ऐसी फिल्में अगले महीने रिलीज होनी हैं जिनमें आपको बेहिसाब खूब-खराबा और दिमाग घुमा देने वाला रोमांच फील करने को मिलेगा। तो चलिए जानते हैं ऐसी फिल्मों की लिस्ट।

मार्टिन :- लिस्ट में पहला नाम है 11 अक्टूबर को रिलीज होने जा रही फिल्म 'मार्टिन' का। इस मल्टीस्टारर फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है और फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। देशभक्ति से लबरेज इस फिल्म में आपको बेहिसाब एक्शन देखने मिलेगा।

वेट्टाइयन :- लिस्ट में दूसरे नंबर पर है सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'वेट्टाइयन'। फिल्म को लेकर पहले ही काफी ज्यादा बज बना हुआ है। रजनीकांत का स्वैग फील करने के लिए फैंस फिर एक बार टकटकी लगाए बैठे हैं।

जिगरा :- अगर वही घिसा-पिटा एक्शन देखकर बोर हो चुके हैं तो तैयार हो जाइए आलिया भट्ट को 'धाकड़' अंदाज में देखने के लिए। क्योंकि उनकी फिल्म 'जिगरा' भी अगले महीने ही 11 अक्टूबर को रिलीज होने जा रही है।

बैडऐस रवि कुमार :- हिमेश रेशमिया फिर एक बार खुद को एक्शन हीरो साबित करने की कोशिश करेंगे। उनकी अपकमिंग फिल्म को लेकर कोई खास बज नहीं है लेकिन एक से बढ़कर एक धाकड़ फिल्मों के बीच 11 अक्टूबर को ही उनकी फिल्म 'बैडऐस रवि कुमार' भी रिलीज होगी।

कंगुवा :- बॉबी देओल का एनिमल वाला ब्रूटल अवतार अभी तक लोगों के जेहन से निकला नहीं है। इसी बीच थिएटर्स में एंट्री के लिए तैयार है उनकी फिल्म 'कंगुआ', जिसका पोस्टर और टीजर वीडियो पहले ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा चुका है।

XC :- सुपरस्टार हीरोज की फिल्मों के बीच एक छोटी फिल्म भी रिलीज होने वाली है जिसमें आपको दमदार एक्शन देखने मिलेगा। हम बात कर रहे हैं हिंदी में रिलीज होने जा रही आर्यन कपूर की फिल्म XC के बारे में। यह फिल्म भी अपने पोस्टर और ट्रेलर की वजह से चर्चा में है।

थाई स्लिट गाउन पहन एक्ट्रेस नताशा स्तांकोविक ने सोशल मीडिया पर लगाया ग्लैमर का तड़का

एक्ट्रेस और मॉडल नताशा स्तांकोविक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े हर एक अपडेट्स फैंस के बीच साझा करती रहती हैं। बता दें कि नताशा स्तांकोविक और भारतीय ऑलराउंडर क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने इस साल जुलाई में एक-दूसरे से अलग होने का फैसला किया था। इसके बाद एक्ट्रेस अपने बेटे अगस्तय को लेकर सर्बिया चली गई थीं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वो बेहद ही शानदार लग रहे हैं।

नताशा स्तांकोविक ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लेटेस्ट फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड और ग्लैमरस अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। इन तस्वीरों में भी उनका ऐसा ही अंदाज देखने को मिल रहा है।

नताशा स्तांकोविक ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान सिल्वर कलर का मिरर वर्क लुक में रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज में फोटोज क्लिक करवा रही हैं। खुले बाल, न्यूज शेड लिप्सटिक और लाइट मेकअप कर के मॉडल नताशा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना लुक देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि नताशा अपने हर एक लुक से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाता है। एक्ट्रेस आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरों को लेकर इंटरनेट पर छाई हुई रहती हैं। उनका लेटेस्ट लुक अक्सर इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है।

अभिनेत्री अलाया एफ को डिटॉक्स फूड बहुत पसंद

बॉलीवुड अभिनेत्री अलाया एफ ने सोशल मीडिया पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनसे ऐसा लगता है कि वह फिलहाल डिटॉक्स डाइट पर हैं। इंस्टाग्राम पर अलाया के 1.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज में दो फोटो शेयर की हैं। दोनों तस्वीरों में खाने की अलग-अलग डिश देखने को मिल रही है।

यह 2020 की बात है, जब पूर्व अभिनेत्री पूजा बेदी की बेटी अलाया ने पारिवारिक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म जवानी जानेमन से अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने एक 21 वर्षीय लड़की की भूमिका निभाई, जो 40 वर्षीय व्यक्ति को अपना पिता बताती है, जिसे शादी से नफरत है। इसके बाद उन्हें पहली बार कार्तिक आर्यन के साथ 2022 की फिल्म फ्रेडी में देखा गया था। जिसमें उन्होंने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया था। जिसमें उनका पति उनके साथ मारपीट करता है। हालांकि, कहानी में नया मोड़ आता है, जब वह कार्तिन आर्यन को अपने प्रेम में फंसाकर अपने पति की हत्या करवा देती है।

2023 में, वह करण मेहता के साथ ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत में थीं। इसके बाद उन्होंने अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, मानुषी छिल्लर और सोनाक्षी सिन्हा अभिनीत बड़े मियां छोटे मियां जैसी फिल्मों में काम किया। अलाया, राजकुमार राव के साथ श्रीकांत में शामिल थी। इस महीने की शुरुआत में उन्हें अभिनेता बाबिल खान के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया था, जिससे उनके संभावित नए प्रोजेक्ट या उनके बीच रिश्ते के बारे में अटकलें लगाई जा रही थीं।

वीडियो में अलाया ने काले रंग का स्लीवलेस टॉप पहना हुआ था और इसे मैचिंग जींस के साथ पेयर किया था। दोनों ने कैमरे के सामने अपनी मुस्कान बिखेरी।

दिवंगत स्टार इरफान खान के बेटे बाबिल को आखिरी बार वेब सीरीज द रेलवे मेन = द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ भोपाल 1984 में देखा गया था। इसमें आर माधवन, केके मेनन और दिव्येंदु भी हैं। बाबिल कुला और फ्राइडे नाइट प्लान जैसी परियोजनाओं का भी हिस्सा रहे हैं। वह अगली बार द उमेश क्रॉनिकल्स में नज़र आएंगे।

त्वचा की देखभाल के लिए इस्तेमाल करें अश्वगंधा, मिलेंगे ये 5 चमत्कारिक लाभ

आयुर्वेद में कई ऐसी सामग्रियां मौजूद होती हैं, जो हमारी त्वचा को चमकदार बना सकती हैं। ऐसी ही एक चमत्कारिक सामग्री है अश्वगंधा, जिसे सदियों से त्वचा की देखभाल के लिए इस्तेमाल किया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट और बायोएक्टिव यौगिकों से समृद्ध अश्वगंधा कोलेजन को बढ़ाता है और चेहरे की सूजन को कम कर सकता है साथ ही इससे त्वचा को एक प्राकृतिक निखार भी मिलता है। आइए त्वचा पर अश्वगंधा इस्तेमाल करने के मुख्य फायदे जानते हैं।

बढ़ता है कोलेजन

चेहरे पर अश्वगंधा लगाने से त्वचा में कोलेगन का उत्पादन बढ़ सकता है। यह एक तरह का प्रोटीन है, जो त्वचा को जवान बनाए रखने में मदद करता है। अश्वगंधा में मौजूद सक्रिय यौगिक और एंटीऑक्सिडेंट त्वचा को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं और कोलेजन को बढ़ाते हैं। आप त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के लिए त्वचा की देखभाल में ये वीगन फेस पैक शामिल कर सकते हैं।

कील-मुंहासों से मिलता है छुटकारा

अगर आप अपनी त्वचा को स्वच्छ बनाना चाहते हैं तो चेहरे पर अश्वगंधा लगाएं। यह मुंहासों और ब्लैकहेड्स आदि को मिटाने का एक चमत्कारी घरेलू नुस्खा है। इसमें एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं, जो त्वचा के रोमछिद्रों को खोल देते हैं। इससे त्वचा में फंसी गंदगी बाहर निकल जाती है और मुंहासों का खतरा कम हो जाता है। साथ ही अश्वगंधा के उपयोग से तेल उत्पादन कम होता है, जो मुंहासों का मुख्य कारण है।

बढ़ती उम्र के लक्षण होते हैं कम

जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, वैसे-वैसे चेहरे पर झुर्रियां पड़ने लगती हैं। ऐसे में आप बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करने के लिए अश्वगंधा का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह समय से पहले बूढ़ा करने में योगदान देने वाले मुक्त कणों के हानिकारक प्रभाव को कम करता है। यह त्वचा में कोलेजन को बढ़ाकर चेहरे को जवान बनाता है। आप डाइट में ये फल शामिल करके भी बुढ़ापे के लक्षणों को दूर कर सकते हैं।

त्वचा को मिलती है अंदरूनी चमक

सूरज की क्षति, वायु प्रदूषण और अन्य कारणों के चलते त्वचा बेजान होने लगती है। ऐसे में अपनी त्वचा को दोबारा चमकदार बनाने के लिए आप अश्वगंधा का उपयोग कर सकते हैं। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं, जो त्वचा की सूजन को मिटा सकते हैं। साथ ही इसके जरिए त्वचा का लालपन कम होता है और त्वचा अंदरूनी तौर पर चमकदार बन जाती है। आप निखरी त्वचा पाने के लिए इन तरीकों से तुलसी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

रूखी त्वचा के लिए फायदेमंद

रूखी त्वचा वाले लोगों को त्वचा पर खुजली का अनुभव होता है, जिससे त्वचा छिल भी सकती है। इस समस्या का निवारण करने के लिए आप अश्वगंधा लगा सकते हैं। यह आपकी त्वचा को मॉइस्चराइज करता है और नमी भी प्रदान करता है। इसके आराम पहुंचाने वाले गुण खुजली को कम कर सकते हैं और सूखेपन के कारण होने वाली त्वचा की सूजन को मिटा सकता हैं। आप रूखी त्वचा की देखभाल करने के लिए ये तरीके अपना सकते हैं।

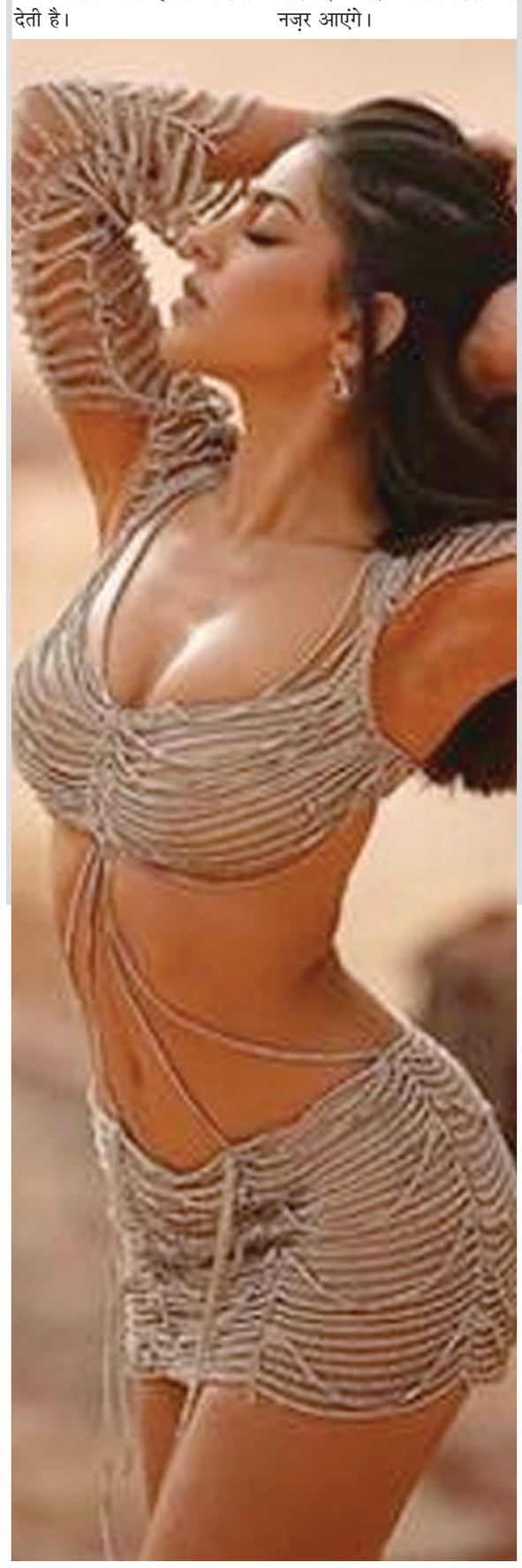

क्या कॉफी का सेवन वजन घटाने में सहायक है?

जानिए कितनी मात्रा में पिएं

कई लोग अपने दिन की शुरुआत एक कप कॉफी के साथ करते हैं, जो उन्हें दिनभर तरोताजा रखने में मदद कर सकती है। इसके साथ ही कॉफी पीने के बाद कुछ लोगों को भूख में कमी भी महसूस होती है। अब कुछ लोग वजन घटाने के लिए भी कॉफी पीते हैं।जी हां, कई लोगों का मानना है कि कॉफी का सीमित सेवन वजन घटाने में मदद कर सकता है। आइए जानें कि एक दिन में कितनी कॉफी पीनी चाहिए।

कॉफी वजन घटाने में कैसे मदद कर सकती है?

कॉफी में मौजूद कैफीन से शरीर की केंद्रीय तंत्रिका तंत्र उत्तेजित होता है, जो मेटाबॉलिज्म दर को बढ़ा सकता है और इससे कैलोरी जलाने में मदद मिल सकती है। कॉफी में भूख को कम करने की भी क्षमता होती है, जिससे अतिरिक्त खाने से बचा जा सकता है। इस पेय में मौजूद कैफीन की मात्रा शारीरिक प्रदर्शन को बेहतर बना सकती है और कसरत की प्रभावशीलता को बढ़ा सकती है, जिससे अधिक कैलोरी जलाना आसान हो सकता है।

कॉफी का सेवन करना किन लोगों के लिए सुरक्षित है और किसके लिए नहीं?

स्वस्थ वयस्क कॉफी का सेवन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त कसरत करने वाले भी इसे अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। कमजोर मेटाबॉलिज्म

वाले भी कॉफी का सेवन कर सकते हैं। वहीं गर्भवती महिलाओं को कॉफी का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि कैफीन का उच्च स्तर गर्भावस्था की जटिलताओं से जुड़ा हुआ है। नींद की समस्या से ग्रस्त लोग भी कॉफी न पिएं। हृदय रोग, उच्च रक्तचाप समेत एसिड रिफ्लक्स वालों के लिए भी कॉफी पीना सही नहीं है।

कॉफी कितनी मात्रा में पीनी चाहिए?

स्वस्थ वयस्कों के लिए प्रतिदिन 2 से 3 कप कॉफी पीना सुरक्षित है। वहीं वजन घटाने वाले रोजाना 2 कप कॉफी पिएं और ध्यान रखें कि इसमें चीनी और क्रीम नहीं मिलानी है और कम से कम दूध को मिलाएं। अगर आपकी गर्भावस्था स्वस्थ है तो अपने डॉक्टर की सलाह के अनुसार गर्भवती महिलाएं एक कप कॉफी का सेवन कर सकती हैं। इससे ज्यादा कॉफी का सेवन उनके लिए नुकसानदायक हो सकता है।

कॉफी के स्वास्थ्यवर्धक विकल्प

अगर आप कैफीन के सेवन के कारण कॉफी नहीं पीते हैं, लेकिन इससे मिलने वाले लाभ को प्राप्त करना चाहते हैं तो इसके स्वास्थ्यवर्धक विकल्पों को आजमाएं। कॉफी की जगह ग्रीन टी पी जा सकती है। एक कप ग्रीन टी में एक कप कॉफी की तुलना में कैफीन की मात्रा लगभग आधी होती है। इसके अतिरिक्त माचा टी और सेब का सिरका पानी में मिलाकर भी पिया जा सकता है।

चाइल्ड पोर्नोग्राफी देखना-डाउनलोड करना गंभीर अपराध : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मद्रास हाईकोर्ट के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि बाल पोर्नोग्राफी को केवल डाउनलोड करना और देखना पॉक्सो अधिनियम और सूचना प्रौद्योगिकी कानून के तहत अपराध नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट किया कि बाल पोर्नोग्राफी से जुड़ी सामग्री का डाउनलोड, संग्रह और देखना पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम) और आईटी एक्ट के तहत दंडनीय अपराध है।

'चाइल्ड पोर्नोग्राफी' शब्द बदलने का सुझाव

सुप्रीम कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्र की पीठ ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए संसद को सुझाव दिया कि पॉक्सो अधिनियम में संशोधन कर 'चाइल्ड पोर्नोग्राफी' शब्द को 'चाइल्ड यौन शोषण और अपमानजनक सामग्री' से बदला जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि बाल पोर्नोग्राफी से संबंधित फोटो और वीडियो को स्टोर करना अपराध की श्रेणी में आता है, जिसे सख्त सजा दी जानी चाहिए।

आरोपी पर फिर से चलेगा मामला

सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को बहाल करते हुए कहा कि बाल पोर्नोग्राफी को देखना, बनाना, डाउनलोड करना और शेयर करना सभी अपराध हैं। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में बचपन बचाओ आंदोलन और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन एलायंस जैसे संगठनों ने याचिका दायर की थी। इन संगठनों की ओर से वरिष्ठ वकील एचएस फुल्का ने कोर्ट में दलीलें पेश कीं, जिन पर अदालत ने ध्यान दिया।

मद्रास हाईकोर्ट का पूर्व फैसला

मद्रास हाईकोर्ट ने जनवरी 2023 में 28 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द करते हुए कहा था कि बाल पोर्नोग्राफी देखना आईटी एक्ट की धारा 67बी और पॉक्सो अधिनियम के तहत अपराध नहीं है। हाईकोर्ट का मानना था कि केवल पोर्नोग्राफी देखना किसी अपराध के दायरे में नहीं आता और समाज को बच्चों को शिक्षित करने की जरूरत है, न कि दंडित करने की।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को गलत ठहराते हुए कहा कि बाल पोर्नोग्राफी एक गंभीर अपराध है, और इसके खिलाफ कड़े कदम उठाए जाने चाहिए। कोर्ट का यह फैसला बच्चों की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जिले में नेशनल लोक अदालत का हुआ सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छ.ग.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर के अध्यक्ष तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रायपुर अब्दुल जाहिद कुरैशी के निर्देश पर जिला एवं अपर सत्र न्यायालय गरियाबंद,किशोर न्याय बोर्ड गरियाबंद तथा राजस्व जिला गरियाबंद के राजस्व न्यायालयों एवं राजिम और देवभोग के न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया।उक्त लोक अदालत हेतु तालुका विधिक सेवा समिति गरियाबंद द्वारा 4 खण्डपीठों का गठन किया गया था,तालुका विधिक सेवा समिति गरियाबंद के अध्यक्ष यशवंत वासनीकर ने बताया कि उक्त लोक अदालत हेतु जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश गरियाबंद श्रीमती तजेश्वरी देवी देवागंन की गठित खण्डपीठ में कुल 72 लंबित एवं 801 प्रिलिटिगेशन प्रकरण रखे गये थे जिनमें मोटर दावा प्रकरण एवं अन्य 6 लंबित मामलों का निराकरण करते हुए 35 लाख 70 हजार रूपये का एवार्ड पारित किया गया।वही 117 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण करते हुए 7 लाख 38 हजार 241 रूपये का एवार्ड पारित किया गया।इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल 123 प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 43 लाख 8 हजार 241 रूपये का एवार्ड पारित किया गया।वहीं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं व्यवहार न्यायधीश वरिष्ठ श्रेणी गरियाबंद श्रीमती छाया सिंह की गठित खण्डपीठ में 449 प्रिलिटीगेशन प्रकरण रखे गये थे तथा समरी मामले सहित 220 लंबित प्रकरण रखे गये थे जिनमें 95 लंबित मामलों का निराकरण करते हुए 2 लाख 70 हजार 500 रूपये की राशि अदा करायी गयी तथा कुल 85 समरी मामलों का निराकरण करते हुए 1 लाख 27 हजार 500 रूपये की राशि अदा करायी गयी। इस प्रकार कुल 180 प्रकरणों का निराकरण किया गया।

प्रशान्त कुमार देवांगन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं व्यवहार न्यायधीश कनिष्ठ श्रेणी गरियाबंद की गठित खण्डपीठ में 503 प्रिलिटीगेशन प्रकरण रखे गये थे,जिनमें 21 प्रकरणों का निराकरण करते हुए 2 लाख 75 हजार 383 रूपये की राशि अदा करायी गयी तथा कुल 55 लंबित मामलों में से 10 लंबित मामलों का निराकरण करते हुए 2 लाख 75 हजार 383 रूपये की राशि अदा करायी गयी।उक्त प्रकरणों में विशेष रूप से पांच वर्ष से लंबित दो भाइयों के बीच चल रहे व्यवहार वाद प्रकरण का निराकरण किया गया।प्रशान्त कुमार देवांगन प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्यायालय गरियाबंद की गठित खण्डपीठ में राजीनामा योग्य लंबित 6 प्रकरण रखे गये थे जिसमें 1 प्रकरण का निराकरण किया गया का निराकरण करते हुए 3 लाख 22 हजार 900 रूपये की राशि अदा करायी गयी।

इको ब्रिक्स बनाने की बच्चों की अनोखी तरकीब पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कारगर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। इको ब्रिक्स बनाने की बच्चों की अनोखी तरकीब पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कारगर सिद्ध हो रही है। स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत जिले के सभी स्कूलों के बच्चे इको ब्रिक्स या कहे बॉटल ब्रिक्स बना रहे हैं। जिसमें पानी बॉटल, कोल्ड ड्रिंक की प्लास्टिक बॉटल में झिल्ली, पन्नी, मिक्चर एवं बिस्कुट के रैपर को बोटल में भर देते हैं।

यह एक अच्छी अवधारण है, जिसमें आस-पास के प्लास्टिक झिल्ली एक ही जगह पर एकत्रित हो जाता है। जिससे पर्यावरण संरक्षित होता है और इन इको ब्रिक्स का उपयोग क्यारी बनाने के लिए किया जाता है। कलेक्टर संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत सीईओ सुरूचि सिंह के निर्देशन में स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के लिए लगातार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता एवं व पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

जिला पंचायत की टीम एवं सभी विभागों तथा सामुदायिक सहभागिता से स्वच्छता के लिए बेहतरीन कार्य किए जा रहे हैं। स्कूली बच्चों द्वारा बनाए गए इन इको ब्रिक्स का उपयोग ग्राम बघेरा में क्यारी बनाने के लिए किया जा रहा है। इसी तरह सभी जिलों में इन इको ब्रिक्स को उपयोग किया जायेगा। बॉटल ब्रिक्स बनाने में जिले के बच्चों ने विशेष अपनी रचनात्मक प्रतिभा दिखाई है।

चीन और पाक की बढ़ेगी टेंशन, परमाणु पनडुब्बियां बनाने में फ्रांस देगा भारत का साथ; यूएस से भी होगी मेगा ड्रोन डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत लगातार सैन्य रूप से ताकतवर हो रहा है। तीनों सेनाओं की क्षमता को सरकार अपग्रेड करने में जुटी हुई है, जिससे पड़ोसी मुल्क चीन और पाक की टेंशन भी लगातार बढ़ रही है। भारतीय नौसेना ने भी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते दखल को कम करने के लिए अपनी युद्धक क्षमता बढ़ाने का फैसला किया है। वहीं, यूएस के साथ भी एक मेगा ड्रोन डील हो सकती है। इस बीच नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए भारत अपने रणनीतिक रक्षा साझेदार फ्रांस के साथ एक और बड़ा कदम उठाने जा रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांस की इमैनुएल मैक्रों सरकार भारत के साथ परमाणु हमलावर पनडुब्बियों के निर्माण पर चर्चा करने और उनका समर्थन करने के लिए तैयार है और भारत को 110 किलो-न्यूटन थ्रस्ट एयरक्राफ्ट इंजन और पूर्ण क्षमता वाले अंडरवाटर ड्रोन के लिए 100 फीसद प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की पेशकश कर रही है। बता दें कि 30 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच पेरिस में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और मैक्रों के कूटनीतिक सलाहकार इमैनुएल बोने में भारत-फ्रांस रणनीतिक वार्ता होने वाली है। इस वार्ता के एजेंडे में ये रक्षा डील भी शामिल है।

दूसरी ओर अमेरिका में हो रहे क्वाड शिखर सम्मेलन से आज पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने द्विपक्षीय वार्ता की। इस बैठक में भारत और अमेरिका के बीच अरबों डॉलर के ड्रोन सौदे को अंतिम रूप दिया गया, क्योंकि मोदी ने बाइडन के साथ दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा की।

दोनों नेताओं ने ड्रोन सौदे पर भी विस्तार से चर्चा की। भारत अमेरिका से 31एमक्यू-9बी स्काई गार्जियन और सी गार्जियन ड्रोन खरीदने की प्रक्रिया में है। इन ड्रोन को खरीदने की लागत करीब 3 बिलियन डॉलर है।

नामांतरण और सीमांकन के प्रकरणों का तेजी से हो निराकरण-कलेक्टर

स्कूली बच्चों के जाति प्रमाण पत्र निर्माण में तेजी लाने के कलेक्टर गोयल ने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर गोयल ने अविवादित और विवादित नामांतरण के मामले तेजी से निपटाने के लिए कहा। अगले 1 माह में इसमें प्रगति आनी चाहिए। इसके साथ ही सीमांकन के प्रकरणों को भी त्वरित रूप से निराकृत करें। जिले के साथ प्रदेश स्तर से भी इसकी मॉनिटरिंग की जायेगी।

कलेक्टर गोयल ने कहा कि राजस्व न्यायालयों में दर्ज ऐसे प्रकरण जो समय-सीमा से बाहर हैं और काफी लंबे समय से चल रहे हैं उनके निराकरण में भी समयबद्ध तेजी लाएं। कलेक्टर श्री गोयल ने बैठक में उन्होंने अविवादित, विवादित नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, भू-अर्जन जैसे विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा करते हुए राजस्व अधिकारियों को सभी राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री गोयल ने अविवादित नामांतरण के निराकरण के समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए मामले को निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि मामला विवादित है तो उसी प्रकार से प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही करें। राजस्व अधिकारी सुनिश्चित करें कि सभी मामले ऑनलाइन दर्ज हों और उनके लिए निर्धारित समय-सीमा का कड़ाई से पालन किया जाए। कलेक्टर श्री गोयल ने कहा कि तहसीलवार नक्शा बटांकन के कार्य में प्रगति आयी है। इसे आगे लगातार इसी गति से जारी रखें। उन्होंने भू-अर्जन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि अवार्ड पारित होने के पश्चात रिकॉर्ड दुरुस्ती का कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने नजूल पट्टों के नवीनीकरण हेतु नोटिस देने एवं प्रकरण दर्ज करवाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री गोयल ने सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्रों के वितरण एवं वितरित वन अधिकार मान्यता पत्र की ऑनलाइन एन्ट्री में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने गिरदावरी के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गिरदावरी के दौरान आधार कार्ड, मोबाइल नंबर एवं किसान किताब की प्रविष्टि भी साथ साथ करने के निर्देश दिए, जिससे इस कार्य में तेजी आए। इस दौरान एडीएम सुश्री संतन देवी जांगडे, अपर कलेक्टर राजीव कुमार पाण्डेय, एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार एवं राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर गोयल ने स्कूली बच्चों के जाति प्रमाण पत्र निर्माण की समीक्षा भी बैठक में की। कई विकासखंडों में निर्माण की धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक स्कूली बच्चों का शत-प्रतिशत जाति प्रमाण पत्र बनना चाहिए। इसके लिए सभी एसडीएम को अपने क्षेत्र में मॉनिटरिंग करते हुए जाति के साथ आय, निवास प्रमाण पत्र बनाने के निर्देश दिए।

भिलाई महिला समाज द्वारा तीज मिलन समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई महिला समाज सेक्टर 8 शाखा क्लब द्वारा तीज मिलन समारोह स्टील क्लब सेक्टर 8 मे आयोजित किया गया। इसमें भिलाई महिला समाज की उपाध्यक्ष श्रीमती नीरजा सिंह, अतरिक्त उपाध्यक्ष श्रीमती प्रणोति मुखोपाध्याय, श्रीमती मौली चक्रवर्ती, श्रीमती स्मिता गिरी और कार्यकारिणी कमिटी की सचिव श्रीमती साधना गोयल, सह सचिव सोनाली मिश्र रथ, कोषाध्यक्ष श्रीमती शिखा जैन और सह कोषाध्यक्ष श्रीमती चैती पाल उपस्थित थे। तीज क्वीन प्रतियोगिता में विजेता श्रीमती सुमन वर्मा रहीं। प्रथम रनर श्रीमती रजनी अतुलकर और द्वितीय रनर अप श्रीमती आशा कुसरे रहीं। बेस्ट हेयर स्टाइल श्रीमती भावना रेड्डी और बेस्ट स्माइल श्रीमती प्रमिला प्रसाद और बेस्ट आउटफिट श्रीमति नीतू खत्री रहीं। इसके बाद रंगा रंग कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्रीमति रानी कुंभकार और श्रीमति परवीन ने किया। क्लब की सभी सदस्यों ने इस कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। सेक्टर 8 शाखा क्लब की सचिव श्रीमती नीलम सिंह, सह सचिव श्रीमति बी सुशीला और कोषाध्यक्ष श्रीमती सुनीति श्रीवास्तव ने इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता अभियान

गरियाबंद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस को राष्ट्रीय आह्वान पर सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत स्वच्छता ही सेवा,स्वच्छता अभियान ग्राम रामजानकी मंदिर कोकड़ी में साफ़ सफ़ाई किया गया,जिसमें गाँव के वरिष्ठ जन एवं महिलाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। नगर पालिका परिषद के सभापति वंशगोपाल सिन्हा ने कहा स्वच्छता का हमारे जीवन विशेष महत्व है क्यों के एक स्वस्थ तन और मन का निर्माण स्वच्छ वातावरण से ही होता है है इसलिए हमे स्वच्छता पर कार्य करना आवश्यक है।साथ ही सेवा पखवाड़ा के मंडल सह संयोजक प्रकाश सोनी कहा ने हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस से सेवा पखवाड़ा प्रारम्भ हुआ है जिसके तहत आज हमने ग्राम पंचायत कोकड़ी के रामजनकी मंदिर में स्वच्छता का कार्य किया एवं स्थानीय लोगो से अपील किया कि अपने आस-पास स्वच्छता बनाये रखें सेवा पखवाड़ा 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलेगा जिसमें अनेक स्थानों पर स्वच्छता का कार्य किया जाएगा।उक्त कार्यक्रम में ग्राम कोकडी की महिलाऐं भी शामिल होकर कार्यक्रम में सहभागी बने। पंचायत कोकडी के उपसरपंच संजू साहू,गरियाबंद नगरपालिका के सभापति वंशगोपाल सिन्हा मंडल के सह संयोजक प्रकाश सोनी भीम साहू सूरज सिन्हा सौरभ पांडेय सहित ग्राम पंचायत कोकडी के लोग उपस्थित रहे।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

बिलासपुर के बारदाना फैक्ट्री में लगी भीषण आग, देर रात तक मशक्कत करती रही फायर ब्रिगेड

बिलासपुर। न्यायधानी में बीती रात एक बारदाना फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आगजनी से फैक्ट्री में लाखों का माला स्वाहा हो गया। घटना के बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। देर रात तक फायर ब्रिगेड की टीम आग पर काबू पाने का प्रयास करती रही। रात करीब 8.30 बजे कर्मचारियों ने गोदाम से धुंआ उठते देखा और फिर आग भड़क गई।

बताया जा रहा है कि शॉर्टसर्किट के कारण आग लगी है। बारदाने व फर्नीचर होने के कारण आग तेजी से फैली और देखते ही देखते भीषण आग में तब्दील हो गई। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना के बाद लगभग एक घंटे बाद फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची और आग बुझाना शुरू किया। आग बुझाने फायर ब्रिगेड को बार बार रिफिलींग करनी पड़ी। देर रात तक आग बुझाने फायर ब्रिगेड को मशक्कत करनी पड़ी। लगभग 5 से 6 घंटे में आग पर काबू पाया जा सका।

बारदाना फैक्ट्री में आग लगने से लाखों के नुकसान का अंदेशा जताया जा रहा है। तोरवा निवासी रमेश माखीजा का गोदाम है जिसे उन्होंने बारदाना और फर्नीचर व्यवसायी को किराए पर दिया है। जिस समय आग लगी फैक्ट्री में कर्मचारी भी मौजूद रहे। आग भड़कता देख वे बाहर निकल गए। पुलिस ने शुरुआती जांच में शॉर्टसर्किट को आग लगने का कारण बताया है। वहीं कितने का नुकसान हुआ है इसका सही आंकलन नहीं किया जा सका है।

सड़क पर हुई चाकूबाजी, स्कूटी छोड़कर भागे हमलावर

बिलासपुर। कोटा स्थित होटल 24 कैरेट के सामने चाकूबाजी की घटना सामने आई है। घायल युवक को दोस्तों ने अस्पताल पहुंचाया। साथ ही इसकी सूचना कोटा पुलिस को दी। इस पर पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है। बताया जा रहा है कि हमलावर युवक अपनी स्कूटी छोड़कर भागे हैं। इसके आधार पर पुलिस युवकों की पहचान में जुटी है।रविवार की दोपहर दीपांशु साहू अपने दोस्तों के साथ पेंडारी में था। इसी दौरान उनके दोस्त हर्ष साहू ने मोबाइल पर काल किया।

उसने बताया कि कुछ युवकों ने गनियारी के पास उसकी बाइक की चाबी छीन ली है। इस पर दीपांशु अपने तीन दोस्तों के साथ गनियारी आया। यहां पता चला कि चाबी लूटने वाले कोटा की ओर भाग निकले हैं। इस पर दीपांशु अपने दोस्तों के साथ चाबी छीनने वाले के पीछे गए। कोटा के मौहारखार स्थित होटल 24 कैरेट के सामने पहुंचते ही चाबी लूटने वालों ने दीपांशु, हर्ष और उनके दोस्तों की पिटाई शुरू कर दी। मारपीट के बीच किसी ने दीपांशु को चाकू मार दिया। हमले में लहूलुहान युवक को छोड़कर हमलावर भाग निकले। दोस्तों ने घायल दीपांशु को अस्पताल पहुंचाया। साथ ही पुलिस को इसकी सूचना दी। इस पर पुलिस की टीम तत्काल अस्पताल पहुंच गई। तब तक डाक्टरों ने घायल को सिम्स रेफर कर दिया था। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

दंतेवाड़ा में चार नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण 20 लाख का है इनाम, कई घटनाओं में रहे शामिल

एसपी ऑफिस पहुंचकर पुलिस व सीआरपीएफ के अधिकारियों के समक्ष किया समर्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। दन्तेवाड़ा जिले में लोन वर्राटू (घर वापस आईये) अभियान से प्रभावित होकर माओवादी दम्पति सहित 20 लाख के 04 ईनामी माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पित माओवादी दम्पति रीजनल कंपनी नम्बर 02 के सदस्य पद पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 8-8 लाख रुपए, उत्तर सब जोनल ब्यूरो में सक्रिय राजनीतिक टीम सदस्या पर 3 लाख रुपए एवं जगरगुण्डा एरिया कमेटी में सक्रिय पूवर्ती आरपीसी केएएमएस (क्रांतिकारी आदिवासी महिला संगठन) अध्यक्ष पर 1 लाख रुपए का ईनाम घोषित है।

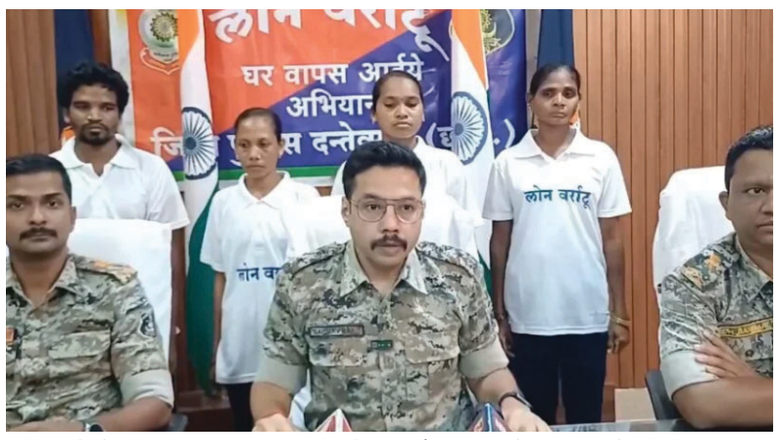

नक्सल उन्मूलन लोन वर्राटू (घर वापस आईये) अभियान तथा छत्तीसगढ़ शासन की ''पुनर्वास नीति के तहत जिला पुलिस बल और सीआरपीएफ के द्वारा भटके हुए माओवादियों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए लगातार संपर्क एवं संवाद कर शासन की नक्सल पुनर्वास नीति का व्यापक प्रचार-प्रसार गांव-गांव तक किया जा रहा है। इसके प्रभाव में लगातार शीर्ष माओवादियों सहित भटके हुए माओवादियों द्वारा आत्मसमर्पण किया जा रहा है। नक्सलियों के अमानवीय, आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाले हिंसा, माओवादी संगठनों के भीतर आंतरिक मतभेद और जंगलों में रहने की कठिनाइयों से तंग आकर नक्सलवाद की ओर भटके युवा अब समाज के मुख्यधारा में जुड़ने का संकल्प कर रहे हैं।

इन नक्सलियों ने किया सरेंडर

इसी कड़ी में रीजनल कंपनी नम्बर 02 का सदस्य हुंगा तामो उर्फ तामोसुर्या निवासी विक्रमपल्ली उईकापारा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा (8 लाख ईनामी), रीजनल कंपनी नम्बर 02 की सदस्या श्रीमती आयती ताती पति हुंगा तामो निवासी सावनार गायतापारा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा (8 लाख ईनामी), उत्तर सब जोनल ब्यूरो सदस्या राजनीतिक टीम सदस्य देवे उर्फ विज्जे वंजाम निवासी मैलूर (मैसालूर) बड़ेपारा थाना भेज्जी जिला सुकमा (3 लाख ईनामी) एवं आरपीसी केएएमएस (क्रांतिकारी आदिवासी महिला संगठन) अध्यक्ष माड़वी आयते निवासी चिन्नाबोड़केल थाना चिंतलनार जिला सुकमा (1 लाख इनामी) ने आत्मसमर्पण की इच्छा जाहिर करते हुये लोन वर्राटू (घर वापस आईये) अभियान के तहत रविवार को आत्मसमर्पण कर दिया। इन सभी नक्सलियों ने पुलिस उप महानिरीक्षक दन्तेवाड़ा रेंज कमलोचन कश्यप, पुलिस अधीक्षक गौरव राय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दन्तेवाड़ा रामकुमार बर्मन के समक्ष पुलिस अधीक्षक कार्यालय दन्तेवाड़ा में आत्मसमर्पण किया। उक्त माओवादियों को आत्मसमर्पण कराने में डीआरजी एवं बस्तर फाईटर्स दन्तेवाड़ा का विशेष योगदान रहा।

पुनर्वास नीति के तहत् 25-25 हजार रुपए की सहायता राशि

आत्मसमर्पित माओवादियों को पुनर्वास नीति के तहत् 25-25 हजार रुपए की सहायता राशि के साथ छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मिलने वाली अन्य सुविधायें मुहैया कराई जाएगी। समाज में पुनर्वासित करने के लिये प्रोत्साहन-आधारित दृष्टिकोण अपनाते हुए व्यावसायिक प्रशिक्षण और आवास की सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी। लोन वर्राटू अभियान के तहत् अब तक 197 ईनामी सहित कुल 872 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर समाज के मुख्यधारा में जुड़ चुके हैं। आत्मसमर्पित रीजनल कंपनी नम्बर 02 का सदस्य वर्ष 2018 में छत्तीसगढ़ तेलंगाना बॉर्डर पर ग्राम तालपुर एवं थाना पामेड अंतर्गत ग्राम जारापल्ली के जंगल में पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने जैसी घटनाओ में शामिल था। वहीं आत्मसमर्पित राजनीतिक टीम सदस्या नक्सल संगठन में नए कैडर को विभिन्न नक्सल विषयों पर शिक्षा देने का काम करती थी।

जांजगीर-चांपा में स्कूटी चोर को पुलिस ने पकड़ा

जांजगीर-चांपा। जिले के रेस्ट हाउस रेलवे स्टेशन चांपा के पास से स्कूटी की चोरी हुई थी। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक स्कूटी को बरामद किया है। मामला चांपा थाना क्षेत्र का है। [illegible] यदुमणी सिदार ने बताया कि प्रवीण कुमार शर्मा ने स्कूटी चोरी की [illegible] दर्ज कराई थी। जिसपर चांपा पुलिस चोर की तलाश में जुटी हुई थी। शहर में लगे सीसीटीवी कैमरे की खोजबीन की जा रही थी। इस बीच सूचना मिली की भुवन लाल देवांगन जोकि चांपा थाने के पीछे रहता है, उसके पास एक स्कूटी है। सूचना पर पुलिस टीम पहुंची और भुवन लाल देवांगन को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने स्कूटी को चोरी करना बताया। आरोपी भुवन लाल कबाड़ी बिनने का काम करता है, वह घर में अकेला रहता है। पत्नी ने उसे छोड़ दिया है। आरोपी भुवन लाल देवांगन (45) के खिलाफ धारा 303 (2) [illegible] के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

एलोवेरा की खेती के नाम पर 8 करोड़ की ठगी, शातिर महिला चढ़ी पुलिस के हत्थे, पांच साल से थी फरार

- **200 से ज्यादा लोगों से कराया था निवेश और दफ्तर बंद कर भागे**
- **मामले में चार आरोपी पहले हो चुके हैं गिरफ्तार**

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़- बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ में एलोवेरा की खेती के नाम पर 8 करोड़ की ठगी करने वाली शातिर महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। महिला लगभग 5 वर्षों से फरार थी जिसे अब जाकर पकड़ा गया है। इस प्रकरण में पुलिस ने महिला के चार साथियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तार महिला ही पूरे प्रकरण की मास्टर माइंड है और इसकी पुलिस को लंबे समय से तलाश थी।

बता दें यह पूरा मामला 2019 का है। किरण साहू निवासी टुंडरी ने 30 जून 2019 को थाना बिलाईगढ़ में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि लीला वर्मा, अरुण वर्मा, उमेंद्र, अनिल कुम्भज, उमा वर्मा के द्वारा गांव के महिलाओं तथा लोगों को एलोवेरा खेती करने, रोजगार दिलाने, उनके द्वारा जमा की जाने वाली राशि पर प्रति माह 5प्रतिशत ब्याज देने का लालच दिया। आसपास के 200 ग्रामवासियों से करीब 08 करोड़ रुपए जमा कराकर फरार हो गये।

प्रार्थिया की रिपोर्ट पर थाना बिलाईगढ़ में आरोपीयों के विरूद्ध धारा 420,34 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण के कायमी बाद से 4 आरोपी अरुण वर्मा, उमेंद्र, अनिल कुम्भज व उमा वर्मा को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। वहीं प्रकरण की मास्टर माइंड लीला वर्मा 5 साल से फरार चल रही थी। लगातार आरोपियां की तलाश की जा रही थी। लगभग पांच साल बाद आरोपिया का इनपुट मिला। इसके बाद थाना प्रभारी प्रमोद यादव के नेतृत्व में स्पेशल टीम बनाकर भोपाल रवाना किया गया था।

शाहपुरा भोपाल में छिपी थी आरोपिया महिला

आरोपीया लीला वर्मा को गुलमोहर कालोनी,थाना शाहपुरा जिला भोपाल से पकड़ा गया। आरोपीया लीला वर्मा को थाना बिलाईगढ़ लाकर पूछताछ पश्चात रविवार को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर न्यायिक रिमांड लेकर जेल दाखिल किया गया है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक प्रमोद यादव, एएसआई विमला मनहर, प्रकाश रजक, प्रधान आरक्षक चंद्रशेखर पटेल, देव सिदार, आरक्षक सतपाल, अनिल कपूर, महिला आरक्षक रीना बघेल, सायबर सेल प्रभारी एएसआई रामकुमार मानिकपुरी एवं उनकी टीम का सराहनीय योगदान रहा।

रिश्वतखोर पटवारी ने किसान से लिए 10 हजार, काम भी नहीं किया तो नाराज किसान ने वायरल किया विडियो

श्रीकंचनपथ न्यूज

मनेन्द्रगढ़। शासकीय जमीन पर कब्जा चढ़ाने के लिए किसान ने पटवारी को 10 हजार रुपए दिया। रुपए लेने के - बाद भी काम नहीं करने से नाराज हो किसान ने इसका वीडियो बना वायरल कर दिया। वायरल वीडियो दस दिन पुराना बताया जा रहा है। यह वीडियो तहसील कार्यालय कोटाडोल से 30 किमी दूर जनकपुर के हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में पटवारी उमेश श्रीवास्तव के घर में ही रिश्वत लेते हुए बनाया गया था।

बता दें कि राजस्व व अन्य न दस्तावेजों को पूरा कराने के लिए कर कई किसान पटवारी के घर पहुंचते हैं। ग्राम पंचायत जुइली का देवमन से यादव अपने भतीजे रामचंद्र यादव के साथ पटवारी के घर पहुंचा था। यहां उसने शासकीय भूमि में कब्जा चढ़ाने के लिए पटवारी से बात की बात में होने पर पटवारी में पैसों की मांग की और किसान ने उसका विडियो बना लिया। काम नहीं होने पर इसे वायरल कर दिया।

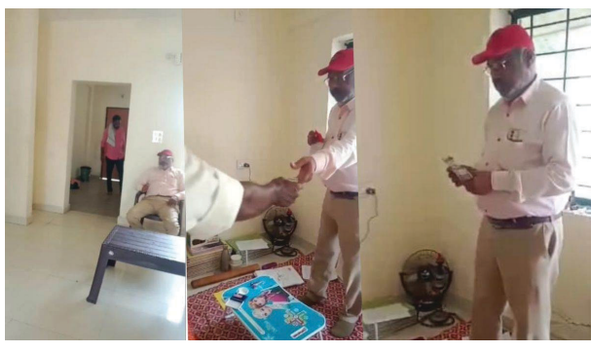

रिश्वत लेते हुए पटवारी का विडियो हुआ वायरल

किसान ने पटवारी के हाथ में पांच हजार रुपए दे दिया। इसके बाद पटवारी उसे मंगलवार को कोटाडोल आने के लिए कहता है। यह वीडियो देवमन के भतीजे रामचंद्र यादव ने बनाया था। देवमन यादव ने कहा कि मैंने कोटाडोल तहसील क्षेत्र के हल्का नम्बर 2 के पटवारी उमेश श्रीवास्तव को एक बार अपने घर जुइली में पांच हजार रुपए और दोबारा पटवारी के घर में जाकर पांच हजार रुपए दिए। रुपए लेने के बाद भी पटवारी ने शासकीय जमीन पर कब्जा नहीं चढ़ाया और जानकारी लेने के लिए फोन करने पर पटवारी गाली-गलौज करने लगता है।

युवक को प्रेमजाल में फंसाकर पहले की शादी, फिर दूसरे युवक से शादी कर शुरू की ब्लैकमेलिंग, 30 लाख रुपए लुटने के बाद पहुंचा थाने

- **वैशाली नगर थाना क्षेत्र का मामला, केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के वैशाली नगर थाना क्षेत्र में एक युवक से ब्लैकमेलिंग का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक शातिर युवती ने पहले युवक से नजदीकियां बढ़ाई। इसके बाद दोनों लिव इन रिलेशन में रहने लगे। कुछ दिन बाद अलग हो गए लेकिन बाद में युवती ने दबाव बनाकर युवक से शादी कर दी। इस बीच युवती लाखों रुपए युवक से ले चुकी थी। बात यहीं खत्म नहीं हुई युवती एक और युवक से शादी और पहले वाले युवक को दोनों मिलकर ब्लैकमेल करने लगे। बदनामी के डर से युवक दोनों को लगभग 30 लाख रुपए दे दिए इसके बाद भी उनकी भूख कम नहीं हुई। थकहार कर युवक ने थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले में वैशाली नगर पुलिस ने धारा 3(5)-बीएनएस, 308(2)-बीएनएस, 308(3)-बीएनएस के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की है।

मिली जानकारी के अनुसार कैलाश नगर हाउसिंग बोर्ड निवासी अमित कुमार पाण्डेय (44) ने इसकी शिकायत वैशाली नगर थाने में दर्ज कराई है। अमित ने अपनी शिकायत में बताया कि वर्ष 2016 में उसकी पूजा विदौलिया नाम की लड़की से पहचान हुई। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गई और दोनो के बीच शारीरिक संबंध स्थापित हुए। इसके बाद दोनो रजामंदी से रिलेशनशिप में रहे। चौहान ग्रीन वेली में किराये का मकान लेकर पूजा रहती थी और अमित की उससे रोजाना मुलाकात होती थी।

10 लाख लेकर अलग हुई युवती

अमित ने बताया कि धीरे-धीरे पूजा का व्यवहार बदलने लगा। इसके बाद अमित ने आपस में बात की और अलग हो गए। अलग होने और भविष्य की किसी तरह का संपर्क में न रहने के लिए पूजा ने अमित से दस लाख रुपए की मांग की। अमित ने मजबूरी में 8 लाख रुपए नगद व 2 लाख रुपए उसको बैंक ट्रांसफर कर उसके [illegible] बैंक में भेजे। इसके बाद कुछ दिनों तक तो वह अमित के संपर्क में नही रही। अमित भी अपने काम व परिवार के साथ व्यस्त हो गया था। कुछ दिनो के बाद पूजा ने फोन किया और वैशाली नगर तिकोना पार्क जैन मंदिर के पास बुलाया। मिलने पर धमकाने लगी और परिवार को बर्बाद करने व दोनों की आपत्तिजनक फोटो विडियो व फोटो को वायरल करने की धमकी देकर शादी करने का दबाव बनाने लगी।

ब्लैकमेल कर रचाई शादी

अमित युवती की बातों से डर गया और न चाहते हुए भी उसके कहे अनुसार उससे अपने मित्रों के बीच शादी की। इस दौरान युवती ने 8 लाख की ज्वैलरी एवं 2 लाख के कपड़े भी खरीदवाए। अमित ने बताया कि 9 माह बाद पूजा ने एक अन्य लडके सूरज शुक्ला उर्फप्रतीक अग्निवंशी से शादी कर ली। इसके बाद दोनों आपस मे मिलकर अमित ब्लैकमेल करने लगे। अमित ने परिवार व उसे कोई हानि न हो यह सोचकर 7 से 8 लाख रुपए पूजा के खाते मे भेजे। इसके बाद भी पूजा अपने घर के पास बुलाकर ब्लैकमेल कर पैसे ऐंठ रही है जिससे वह मानसिक रूप से काफी परेशान हो गया। अब इस मामले में वैशाली नगर पुलिस ने पूजा विदौलिया और सूरज शुक्ला उर्फप्रतीकअग्निवंशी के खिलाफएफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सर्पदंश से हुई थी युवक की मौत, ग्रामीणों ने युवक के साथ सांप को भी चिता में जिंदा जलाया

- **कोरबा के बैगामार गांव की धटना, सोते समय करैत सांप ने काटा, अस्पताल में मौत**

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सर्पदंश से युवक की मौत हो गई। 22 साल का डिगेश्वर राठिया रात में बिस्तर पर सोया हुआ था, इस दौरान करैत सांप ने उसे डस लिया। युवक के साथ लोगों ने सांप को भी जिंदा जला दिया।

जानकारी के मुताबिक, घटना बैगामार गांव की है। मनसा राम राठिया के परिवार में पत्नी और दो बेटे थे। शनिवार की रात खाना खा कर सभी अपने अपने कमरे में सोने चले गए। 22 साल का बेटा डिगेश्वर राठिया भी अपने कमरे में सोने चला गया। युवक खाट में मच्छरदानी लगा कर सो रहा था। रात के वक्त मच्छरदानी के अंदर जहरीला करैत सांप घुस गया और पैर पर डस दिया। युवक ने बिस्तर से उठकर देखा तो मच्छरदानी में सांप लिपटा हुआ था। उसने उठकर इसकी सूचना परिजनों को दी।

परिजन युवक को जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे। रविवार की सुबह इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। मृतक के पिता मनसा राम ने बताया कि डिगेश्वर घर का बड़ा बेटा था और पढ़ाई करने के साथ खेती किसानी में साथ देता था।सर्पदंश के बाद ग्रामीणों ने सांप को पकड़ लिया था और उसे एक टोकरी में बंद कर रखा था। युवक के पोस्टमॉर्टम के बाद सभी जिला मेडिकल कॉलेज से गांव पहुंचे। इसके बाद युवक का अंतिम संस्कार करने की तैयारी की गई। इसी दौरान सांप को टोकरी से निकाला गया और रस्सी से बांध दिया गया। रस्सी को डंडे के बांधकर सांप को भी ग्रामीण मुक्तिधाम ले गए। सांप को भी युवक की चिता के साथ जिंदा जला दिया गया। वहीं जिला अस्पताल चौकी प्रभारी दाऊद कुजुर ने बताया कि मृतक के परिजनों का बयान दर्ज किया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें डर था कि जहरीला सांप किसी और को अपना शिकार ना बना ले। इसलिए उसे भी चिता के साथ जला दिया गया। घटना के बाद बेटे को खोने के कारण परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

डिवीजनल सेमीनार का मुख्य न्यायाधिपति ने किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के न्यू सर्किट हाउस के सभागार में रायपुर संभाग के जिले रायपुर, धमतरी, बलौदाबाजार एवं महासमुंद के न्यायिक अधिकारियों का डिवीजनल सेमीनार छ.ग.राज्य न्यायिक अकादमी के तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस डिवीजनल सेमीनार का उद्घाटन छत्तीसगढ उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया।

मुख्य न्यायाधिपति ने अपने उद्बोधन में न्यायिक कार्य के महत्व व चुनौती के बारे में बताते हुए कहा कि न केवल हाईकोर्ट बल्कि जिला न्यायपालिका में विविध प्रकार के समसामयिक महत्व के विवाद आते रहते हैं जो न्यायाधीशगण को न्याय प्रशासन में अपना अवदान देने व स्वयं को साबित करने का अवसर होते हैं। मुख्य न्यायाधिपति ने न्यायिक अधिकारियों को उनके कर्तव्य की महत्ता को याद दिलाते हुए कहा कि न्यायाधीश उन

कुछ भाग्यशाली लोगों में हैं जिन्हें लोगों को न्याय प्रदान करने का अवसर प्राप्त होता है। न्यायिक सेवा अन्य सामान्य शासकीय सेवा की तरह नहीं हैं बल्कि न्यायाधीशगण लोक विश्वास का पद धारित करते हैं और न्यायिक व्यवस्था की विश्वसनीयता न्यायाधीश का पद धारित करने वाले व्यक्तियों पर निर्भर है। इसलिए न्यायाधीश को सीजर की पत्नी की तरह सभी संदेहों से ऊपर होना चाहिए।

मुख्य न्यायाधिपति ने साधारण व्यक्ति की न्यायपालिका से क्या अपेक्षाएं हैं इस संबंध में बताया कि एक साधारण व्यक्ति न्यायपालिका से निष्पक्ष व त्वरित न्याय की उम्मीद करता है और इसके लिए न्यायाधीश को अपने कर्तव्यों का निर्वहन सत्यनिष्ठा , निष्पक्षता , ईमानदारी व प्रतिबद्धता के साथ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस समाज में हम रहते हैं वह समाज गतिशील है व समय के साथ बदलता रहता है और जो विधि समाज के साथ व्यवहरित करती है वह भी बदलती रहती है। ऐसी दशा में न्यायपालिका समाज को स्फूर्त बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। मुख्य न्यायाधिपति ने समय के साथ विधि के क्षेत्र में आने वाले बदलाव पर भी ध्यान केन्द्रित करने के लिए कहा और आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस, फारेंसिक साइंस आदि के संबंध में न्यायाधीशगणों को अद्यतन रहने को कहा और यह भी व्यक्त किया कि इस तरीके के सेमीनार न्यायिक अधिकारियों को सामूहिक विचार-विमर्श व अनुभवों का आदान प्रदान का अवसर प्रदान करते हैं।

उन्होंने बलात्कार पीड़िता के गर्भ समापन को एक जटिल व संवेदनशील विषय बताया और कहा कि जिन मामलों में न्यायालय की अनुमति की आवश्यकता नहीं है, उन मामलों में भी रेप पीड़िताओं को गर्भ समापन के लिए उच्च न्यायालय आना पड़ रहा है जबकि चिकित्सकीय गर्भ समापन अधिनियम में बलात्कार पीड़िताओं के संबंध में विधि के प्रावधान स्पष्ट हैं। मुख्य न्यायाधिपति ने विश्वास व्यक्त किया कि आज का सेमीनार उक्त के संबंध में विधि की समझ को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। मुख्य न्यायाधिपति ने प्रकरणों के निराकरण में होने वाले विलंब पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पक्षकार शीघ्र न्याय चाहता है और कई बार प्रकरण के निराकरण में में विलंब कारित करने के लिए कुछ पक्षकार विलंबकारी युक्तियां अपनाते हैं , ऐसे युक्तियों से निपटने में न्यायिक अधिकारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है और त्वरित व साहसी निर्णय तथा उदारतापूर्व स्थगन प्रदान करने से बचकर ऐसे विलंबकारी युक्तियों को हतोत्साहित किया जा सकता है।

जिले में संस्थागत प्रसव में हुआ सुधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं स्वास्थ्यमंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के विशेष प्रयासों से स्वास्थ्य केन्द्रों द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से संस्थागत प्रसव में बेहतर प्रदर्शन किया जा रहा है। बलौदाबाजार भाटापारा विकासखंड के ग्राम पंचायत करहीबाजार में स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में इस वर्ष जनवरी से लेकर अब तक 129 प्रसव हुए हैं जो औसतन 16 प्रतिमाह है। जबकि लक्ष्य 3 प्रतिमाह का है।

इस तरह करहीबाजार स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिमाह लक्ष्य से पाँच गुना अधिक प्रसव हो रहा है। जो शासकीय संस्थाओं के प्रति लोगों

के विश्वास को दिखाता है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में विगत दिनों हुए एक प्रसव में चार किग्रा के शिशु वाली गर्भवती महिला ग्राम केशला निवासी 26 वर्षीय श्रीमती पितर पटेल का सामान्य प्रसव कराया गया। उनके पति हरकुमार पटेल ने बताया कि वह कृषि मजदूरी करते हैं और पत्नी का यह तीसरा बच्चा है। बीच में आवश्यक जांच हुई थी और हम लोग एक निजी अस्पताल भी गए थे। पर फिर करहीबाजार के स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क किए जहाँ स्वास्थ्य कार्यकर्ता ने आवश्यक दवाइयां और सलाह दी तथा समय-समय पर हम लोग जाँच के लिए जाते रहे है। प्रसव के बाद अब जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

इस संबध में भाटापारा के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेन्द्र माहेश्वरी ने बताया कि बच्चे का वजन अधिक होने के कारण प्रसव के दौरान अधिक रक्तस्राव, पेल्विक विकृति, गर्भाशय के नीचे सरकने का खतरा हो सकता है। ऐसे में स्वास्थ्य केंद्र में सामान्य प्रसव एक उपलब्धि है जिससे परिजनों का किसी संभावित परेशानी से भी बचाव हुआ। उक्त स्वास्थ्य केंद्र में शकुन बंजारे और विक्रम शर्मा ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक और आशा दिवाकर सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के रूप में अपनी सेवा दे रहे है।

गौरतलब है कि कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश में जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर में ही प्रसव की सुविधा प्रदान करने और संस्थागत प्रसव को बढ़ाने देने के उद्देश्य से जिला खनिज न्यास निधि से कई केंद्रों में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की गई थी जिसके अच्छे परिणाम मिल रहे है।

मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना से मिली सहायता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिलासपुर के हेमूनगर निवासी लालवानी परिवार के मुखिया खियाल दास लालवानी को किडनी से जुड़ी गंभीर बीमारी के इलाज के लिए 'मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना' के तहत सहायता राशि स्वीकृत हुई है, जिससे अब उनका इलाज चल रहा है, और परिवार ने राहत की सांस ली है। लालवानी परिवार ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल के लिए आभार जताया है। लालवानी परिवार पर उस समय दुखों का पहाड़ टूट पड़ा जब उनके घर के एक मात्र कमाने वाले सदस्य किडनी की गंभीर बीमारी की चपेट में आ गए। बुधवारी बाजार में अपने छोटे से व्यवसाय से परिवार चलाने वाले मुखिया की गंभीर बीमारी ने पूरे परिवार की खुशियां छीन लीं। खियाल दास लालवानी की पत्नी श्रीमती लक्ष्मी लालवानी ने भावुक होकर बताया कि पिछले 6 साल में महंगे इलाज के खर्च में उनकी जमा पूंजी खत्म हो गई, दो बेटियों की पढ़ाई प्रभावित होने लगी। इस परिस्थिति में बेटियों की उच्चशिक्षा का खर्च उठाना मुश्किल हो गया और मुझे व्यवसाय संभालना पड़ा, जबकि मैं हमेशा से एक गृहिणी थी। लालवानी ने बताया कि बेटियों ने अपनी पढ़ाई के साथ घर पर ट्यूशन पढ़ाकर परिवार के जरूरी खर्च पूरे किए, लेकिन डायलिसिस का महंगा खर्च वहन करना उनके लिए बेहद मुश्किल था। ऐसे में उन्हें इस योजना के विषय में जानकारी मिली, और आवेदन करने के बाद त्वरित रूप से सहायता राशि स्वीकृत हुई। अब आसानी से उनके पति का इलाज हो पा रहा है। श्रीमती लालवानी कहती हैं कि मुख्यमंत्री की इस संवेदनशील योजना से उनके पति को नई जिंदगी मिली है, उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए कहा कि अचानक आई इस मुसीबत से उबरने में इस सहायता राशि से उन जैसे कई परिवारों को बड़ी मदद मिली है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत गंभीर रोगों के इलाज के लिए 25 लाख रूपए तक की आर्थिक सहायता दी जाती है। जिले में अब तक 636 लोगों ने योजना के तहत लाभ प्राप्त किया है, और इस वर्ष जिले के 131 मरीजों को योजना के तहत लाभान्वित किया गया है।

बलौदाबाजार में 30 सितंबर तक आयुष्मान पखवाड़ा

गांव गांव में होगा विशेष शिविरों का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना तथा मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना का क्रियान्वयन हो रहा है। इस सम्बंध में लगातर लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाए रहे हैं। पूर्व में कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर घर-घर जा कर कार्ड बनाये जाने का अभियान क्रियान्वित किया गया था। उसी दौरान छूटे हुए हितग्राहियों का सर्वे भी किया गया। अब एक बार पुन: जिले में 30 सितंबर तक छूटे हुए परिवारों का आयुष्मान कार्ड बनाये जाने हेतु आयुष्मान पखवाड़ा शुरू किया गया है।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि छूटे हुए परिवारों का शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड न केवल बनाएं जाए बल्कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बने हुए कार्ड संबंधित हितग्राहियों को समय पर प्राप्त हों। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश कुमार अवस्थी ने बताया की इस हेतु मितानिन,एम टी ,स्वास्थ्य कर्मी जुटे हुए हैं तथा घर-घर जा कर कार्ड बनाया जा रहा है। इस कार्य मे पंचायत के जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जा रहा है। योजना के लाभ और उसकी आवश्यकता का भी प्रचार-प्रसार मितानिन एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता

कर रहे हैं। इसके लिए गांव गांव में दीवार लेखन एवं मुनादी भी कराया जा रहा है। यह कार्ड जिले के समस्त आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,जिला अस्पतालों में भी बन रहे हैं। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत परिवार की पात्रता अनुसार अंत्योदय कार्ड और प्राथमिकता राशन कार्ड धारी परिवार को पाँच लाख तक रुपए तक के इलाज की सालाना सुविधा इन कार्डो से मिलेगी,जबकि शेष राशन कार्ड धारी सामान्य राशन कार्ड परिवारों को सालाना 50 हज़ार रुपये तक का निरूशुल्क इलाज पंजीकृत शासकीय एवं निजी अस्पतालों में मिलेगा। ऐसे ही मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत गंभीर बीमारियों हेतु अधिकतम 25 लाख तक की सहायता मरीज को दी जाती है।

अब मोबाइल के माध्यम से भी कार्ड बना सकते हैं: भारत सरकार ने स्मार्ट फ़ोन के माध्यम से घर पर ही कार्ड बनाने की सुविधा भी उपलब्ध करवाई है। इसके लिए सर्वप्रथम प्ले स्टोर से आयुष्मान ऐप डाउनलोड करें । आयुष्मान लॉगिन पर जाएं । विकल्प चुनें मोबाईल नंबर दर्ज कर ओटीपी डालकर लॉगिन करे। इसके बाद दूसरा विकल्प आएगा जिस पर स्टेट राशन कार्ड फैमिली आईडी जिला राशन नंबर दर्ज करें। यदि आधार कार्ड से लिंक मोबाइल उपलब्ध है तो आधार ओटीपी विकल्प का चयन करें। यदि आधार लिंक मोबाइल उपलब्ध न हो तो फेस ओथ विकल्प का चयन करें।

यदि फिंगरप्रिंट डिवाइस उपलब्ध हो तो फिंगरप्रिंट का चयन करें और प्रक्रिया पूर्ण करें। इसके बाद कैप्चर फोटो का विकल्प पर जाकर अपना क्लोजअप फोटो कैप्चर करें पश्चात मोबाइल नंबर व एड्रेस की जानकारी भरकर सबमिट बटन दबाए। अप्रूवल होने की प्रतीक्षा करें। अप्रूवल होने के बाद आयुष्मान कार्ड डाउनलोड करें। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए नजदीकी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र या टोल फ्री नं.104 या 14555 में संपर्क करें।

सभी 6 नवजात स्वस्थ, शिशुओं का स्वास्थ्य जांच कर किया गया आवश्यक टीकाकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा चिकित्सा के क्षेत्र में विशेष रूप से रूचि रखने और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के द्वारा स्वास्थ्य विभाग में जनहित कार्यों और जन-सुविधाओं के पर्यवेक्षण रखने के बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। अब लोगों को दूर जाए बिना ही घर के आसपास ही शासकीय अस्पताल में स्वास्थ्य जांच एवं इलाज की सभी सुविधाएं मिल रही हैं।

वर्तमान में प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं में लगातार बढ़ोतरी की जा रही है। इसका सुखद परिणाम भी सामने आ रहा है। इसी कड़ी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवभोग में 6 महिलाओं की सफलतापूर्वक डिलीवरी कराई गई। मेडिकल टीम की सकुशल मेहनत और प्रयास से 6 नन्हे फरिश्तों ने जन्म लिया। सभी नवजात शिशु पूरी तरह स्वस्थ है। शिशुओं की आवश्यक स्वास्थ्य जांच कर सभी का प्रारंभिक टीकाकरण किया गया है।

दरअसल देवभोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 21 सितंबर दोपहर 1.30 बजे से 22 सितंबर के दोपहर 3 बजे तक 15 घंटे में 6 सुरक्षित प्रसव कराया गया। शुरू के डेढ़ घंटे में ही 4 प्रसव करा लिए गए थे। 15 घंटे के भीतर 6 महिलाओं की सफल

सरकारी अस्पताल देवभोग में 6 नन्हे फरिश्तों की गूंजी किलकारी

जिले में स्वास्थ्य सुविधाएं हो रही सुदृढ़, सेवाओं का हो रहा विस्तार

डिलीवरी जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवभोग के डॉक्टरों की टीम ने इस उपलब्धि पर खुशी जताई। साथ ही एक दूसरे का हौसला अफजाई भी किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ गार्गी यदु पाल के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में डॉक्टरों की टीम ने विशेष रणनीति बनाकर महिलाओं की सफल डिलीवरी करने में विशेष भूमिका निभाई। इस उपलब्धि के लिए कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल ने डॉक्टरों एवं मेडिकल स्टाफ की टीम को बधाई देते हुए जिले में निरंतर उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही गंभीरता एवं सक्रियता पूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए मेडिकल टीम की प्रशंसा भी की।

उल्लेखनीय है कि राज्य के मैदानी सहित दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में भी सक्रियता के साथ स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही है। गांवों में स्थित प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित की गई हैं। साथ ही आवश्यक मेडिकल जांच एवं निशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध की गई है। जिससे लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। साथ ही डॉक्टर एवं मेडिकल टीम भी सक्रिय होकर काम कर रही हैं। जिससे लोग शासकीय अस्पतालों में उम्मीदों एवं विश्वास के साथ इलाज कराने आ रहे हैं। इसके फलस्वरूप लोगों को अपने गांव के आसपास ही शासकीय अस्पतालों में आसानी से मूलभूत स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल पा रहा है। इसके अलावा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कैंप लगाकर भी वनांचल गांवों में लोगों का आवश्यक स्वास्थ्य जांच एवं इलाज किया जा रहा है।

गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व स्वास्थ्य जांच तथा समय-समय पर टीकाकरण भी सक्रियता के साथ किया जा रहा है। साथ ही शिशुवती माताओं को आवश्यक पूरक पोषण आहार भी प्रदान किया जा रहा है। इसके फलस्वरूप संस्थागत प्रसव को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी है। साथ ही लक्ष्य पूरा करने में सफलता मिल रही है। प्रति माह 9 व 24 तारीख को गर्भवती दिवस मनाया जाता है। जिसमे गर्भवती माताओं की पूरी जांच के अलावा उन्हें संस्थागत प्रसव के लिए प्रेरित किया जाता है।

रायपुर संभाग बना ऑल ओवर चौम्पियन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता-2024 का समापन रायगढ़ स्टेडियम, बोईरदादर में लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया के मुख्य आतिथ्य में हुआ। समापन समारोह में स्कूली बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं आकर्षक मार्चपास्ट भी किया। लोक सभा सांसद राधेश्याम राठिया ने कहा कि हर्ष की बात है रायगढ़ में राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन हुआ और आप सभी को यहां खेलने का अवसर मिला।

श्री राठिया ने जीतने वाली टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हार-जीत खेल का एक अंग होता है, हारने वाली टीम को निराश न होकर खूब मेहनत करना चाहिए, जिससे अगली जीत आपकी होगी। आप सभी को खेल के साथ-साथ पढ़ाई में भी विशेष ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है आप सभी छत्तीसगढ़ का नाम जरूर रोशन करेंगे। श्री राठिया ने कहा कि रायगढ़ को जोन बनाने का प्रयास किया जाएगा ताकि अंचल के खिलाडियों को एक अच्छा अवसर मिलने के साथ सुविधाओं में वृद्धि हो सके। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री निराकार, स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न संभाग से आए बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2024 में रायपुर संभाग ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ऑल ओवर चौम्पियन बना। इसी प्रकार व्हालीबॉल बालिका 19 वर्ष वर्ग में प्रथम रायपुर संभाग, द्वितीय बस्तर संभाग तथा तृतीय स्थान पर दुर्ग संभाग संभाग रहा। 19 वर्ष बालक वर्ग में प्रथम रायपुर संभाग, द्वितीय दुर्ग संभाग तथा तृतीय स्थान पर बिलासपुर संभाग रहा। खो-खो 17 वर्ष बालिका वर्ग में दुर्ग संभाग प्रथम, द्वितीय बस्तर तथा बिलासपुर संभाग तीसरे स्थान पर रहा। इसी प्रकार 17 वर्ष बालक वर्ग में बस्तर संभाग प्रथम, द्वितीय दुर्ग संभाग तथा तृतीय स्थान पर बिलासपुर संभाग रहा। खो-खो 19 वर्ष बालिका वर्ग में प्रथम स्थान पर बस्तर, दुर्ग संभाग द्वितीय तथा तीसरे स्थान पर बिलासपुर संभाग रहा। खो-खो 19 वर्ष बालक वर्ग में प्रथम बस्तर संभाग, द्वितीय दुर्ग संभाग तथा तृतीय स्थान पर रायपुर संभाग रहा।

टेबल टेनिस 14 वर्ष बालिका वर्ग में प्रथम रायपुर संभाग, द्वितीय बिलासपुर संभाग तथा तृतीय बस्तर संभाग रहा। इसी प्रकार टेबल टेनिस 14 वर्ष बालक वर्ग में प्रथम रायपुर संभाग, द्वितीय बिलासपुर संभाग तथा तृतीय दुर्ग संभाग रहा। टेबल टेनिस 17 वर्ष बालिका वर्ग में प्रथम दुर्ग संभाग, द्वितीय बिलासपुर संभाग तथा तृतीय रायपुर संभाग रहा। इसी प्रकार टेबल टेनिस 17 वर्ष बालक वर्ग में प्रथम रायपुर संभाग, द्वितीय बिलासपुर संभाग तथा तृतीय दुर्ग संभाग रहा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950